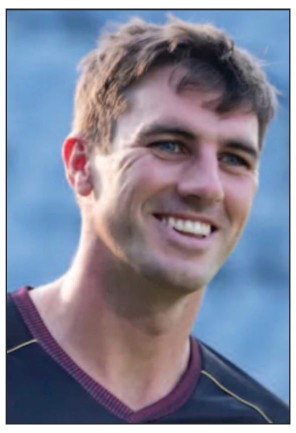

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल पेज: 7

राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 295 | बुधवार 04 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बड़ा मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने जैशे के 2 आतंकियों को घेरा

जम्मू-कश्मीर: जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के रामनगर के जोफर इलाके में सुरक्षा बलों का जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध आतंकवादियों से संपर्क स्थापित होने के बाद गोलीबारी शुरू हो गई। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में मिली खुफिया जानकारी के बाद शुरू किए गए एक त्वरित पीछा अभियान के दौरान गोलीबारी हुई। शुरूआती आकलन से पता चलता है कि मुठभेड़ स्थल पर कम से कम दो जैश आतंकवादी छिपे हुए हैं। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का संयुक्त अभियान फिलहाल जारी है। अतिरिक्त बल को इलाके में भेज दिया गया है और किसी भी प्रकार की घुसपैठ रोकने के लिए सभी प्रवेश और निकास मार्गों को सील कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्टों के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया

हाइपरसोनिक ब्रह्मोस में भारत की बड़ी छलांग, अमेरिकी ट्रेड डील से निवेश और रोजगार को रफ्तार

नई दिल्ली एजेंसी: भारत-अमेरिका ट्रेड डील होने से भारत को हर क्षेत्र में फायदा होने की बात कही जा रही है। विशेषज्ञ इसे देश के विकास में एक बड़ा मील का पत्थर बता रहे हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व प्रमुख और वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. शिवथनु पिल्लै ने कहा कि भारत तेजी से रक्षा और आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसकी बड़ी वजह देश में बनी (स्वदेशी) हाइपरसोनिक तकनीक और तेजी से बढ़ता अंतरिक्ष क्षेत्र है kकोयंबटूर में मीडिया से बात करते हुए डॉ. पिल्लै ने बताया कि भारत अब सामान्य मिसाइल तकनीक से आगे बढ़कर ह्यसुपर ब्रह्मोसह्न पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अभी ब्रह्मोस मिसाइल की गति मैक-3 है, लेकिन लक्ष्य इसे मैक-7 जैसी हाइपरसोनिक गति तक ले जाना है। उन्होंने

समझाया कि गति जितनी ज्यादा होगी, मिसाइल की ताकत उतनी ही ज्यादा होगी। इतनी तेज मिसाइल को दुश्मन का रक्षा तंत्र पकड़ नहीं पाएगा। भारत ने पहले ही 1,000 सेकंड तक हाइपरसोनिक तकनीक का सफल परीक्षण कर लिया है, जिससे वह दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। डॉ. पिल्लै ने कहा कि फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइल देने के बाद कई अन्य देशों ने भी इसमें रुचि दिखाई है। उन्होंने बताया कि सिंधुरा ऑपरेशन में ब्रह्मोस की सफलता के बाद इसकी मांग और बढ़ी है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि भारतीय सेना को जो ब्रह्मोस दी जाती है, वह निर्यात की जाने वाली मिसाइलों से ज्यादा उन्नत होती है। उन्होंने सरकार द्वारा रिसर्च और डेवलपमेंट (आरएंडडी) पर बढ़ाए गए खर्च और एएमसीए जैसे स्वदेशी फाइटर जेट प्रोजेक्ट की भी तारीफ की। डॉ. पिल्लै ने आगे कहा कि भारत इस

भारत को एक बार फिर अमेरिका में बड़ा बाजार मिलेगा

उन्होंने आगे कहा कि इस डील से भारत को विशेष रूप से वस्त्रों के क्षेत्र में लाभ होगा, जिनमें कालीन, चादरें, तकिए के कवर और पर्दे शामिल हैं, और इनकी पहले की तरह आपूर्ति फिर से शुरू हो जाएगी। वहीं, भारत को एक बार फिर अमेरिका में बड़ा बाजार मिलेगा।

समय दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच सकता है। गगनयान मिशन के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहले बिना इंसान वाले मिशन भेजे जाएंगे, जिनमें एक रोबोट लड़की होगी, जिससे अंतरिक्ष से वापसी और सुरक्षा की जांच की जाएगी। उसके बाद प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्रियों को भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत में अब करीब 400 अंतरिक्ष स्टार्टअप काम कर रहे हैं, जैसे अग्निकुल और स्काईरूट। ये इसरो के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उसके सहयोगी हैं और सैटेलाइट व रॉकेट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद कर रहे हैं। डॉ. पिल्लै ने कहा कि वे 40 साल तक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के साथ जुड़े रहे और आज भी भारत उनके दिखाए रास्ते पर चलकर एक विकसित देश बनने की ओर बढ़ रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने भी भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कदम दोनों देशों के लोगों, उद्योगों और रोजगार सृजन के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि भारत की नीतियां आज दुनिया के लिए मिसाल बन गई हैं। चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत पर भरोसा इस रिश्ते को और मजबूत करता है। इस समझौते से व्यापार में स्थिरता आएगी, निवेशकों को भरोसा मिलेगा और सप्लाई चेन मजबूत होंगी। उन्होंने बताया कि यह समझौता सिर्फ टैरिफ घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उद्योग, तकनीक और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

लोकसभा में भारी हंगामा, कागज उछालने पर कांग्रेस के 7 समेत 8 सांसद पूरे बजट सत्र से निलंबित

नई दिल्ली एजेंसी: सदन की कुर्सी पर कागज फेंकने के आरोप में आठ लोकसभा सांसदों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। निलंबित सांसदों में मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, किरण कुमार रेड्डी, एस वेंकटेशन, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस और प्रशांत पाडोले शामिल हैं। इनमें से सात सांसद कांग्रेस पार्टी से हैं, जबकि वेंकटेशन सीपीएम से हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर जारी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का

उल्लेख करने का प्रयास करने के मुद्दे पर बैठक तीन बार स्थगित होने के बाद अपरा तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला,हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में नरवणे की पुस्तक पर आधारित लेख को सत्यापित करते हुए सदन के पटल पर रखा। उन्होंने फिर से नरवणे के संस्मरण और चीन के साथ टकराव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसका चीन तथा पाकिस्तान के साथ संबंध है और यह राष्ट्रपति के अभिभाषण का प्रमुख हिस्सा है। आसन से उन्हें आगे बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

चुनाव आयोग पर भड़कीं ममता बनर्जी, सीईसी को बताया 'झूठा', कहा- एआई का हो रहा दुरुपयोग

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इससे एक दिन पहले उन्होंने चुनाव वाले राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त से बातचीत की थी। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि मतदाता सूची का संशोधन केवल गैर-भाजपा शासित राज्यों में हो रहा है और यह प्रक्रिया बिना उचित तैयारी और प्रशिक्षण के जल्दबाजी में की जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव की पूर्व संध्या पर ऐसा क्यों? क्योंकि फरवरी में, इसी महीने, वे (चुनाव आयोग) अधिसूचना जारी कर सकते हैं। तो क्या बिना योजना, बिना मानचित्रण, बिना उचित प्रशिक्षण और बिना

उचित बुनियादी ढांचे के दो-तीन महीनों में एसआईआर को पूरा करना संभव है? दरअसल, देखिए, चार चुनाव वाले राज्य हैं: बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम। वे इसे केवल तीन राज्यों में, यानी विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में ही कर रहे हैं–असम में नहीं, क्योंकि यह दो इंजन वाला राज्य है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि सूची से कई नाम हटा दिए गए और लोगों को पंजीकरण कराने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा दूसरा, पहले चरण में उन्होंने 58 लाख नाम हटा दिए। उन्होंने पीड़ितों को अपना बचाव करने का कोई अवसर नहीं दिया है। वे वास्तविकता की पुष्टि किए बिना कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से बैठक बीच में ही छोड़ दी। टीएमसी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त से बैठक बीच में ही छोड़ दी, यह आरोप लगाते हुए कि उन्हें सम्मान नहीं दिया गया। ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को "झूठा" और "अहंकारी" व्यक्ति बताया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और एसआईआर प्रक्रिया से कथित तौर पर प्रभावित लोगों के 13 परिवार सदस्य भी थे। प्रतिनिधिमंडल में पांच ऐसे व्यक्ति शामिल थे जिनके नाम कथित तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद मतदाता सूची से हटा दिए गए थे, एसआईआर नोटिस प्राप्त करने के बाद 'मृत' हुए लोगों के पांच परिवार सदस्य और बूथ स्तर के अधिकारियों के तीन परिवार शामिल थे जिनकी कथित तौर पर दबाव में मृत्यु हो गई

सुप्रीम कोर्ट की मेटा-व्हाट्सएप को सीधी चेतावनी, संविधान मानें या भारत छोड़ दें

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने व्हाट्सएप और मेटा की डेटा साझाकरण प्रथाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। यह सुनवाई भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के उस आदेश के विरुद्ध दायर अपीलों के एक समूह की सुनवाई के दौरान हुई, जिसमें व्हाट्सएप की 2021 की स्वीकार करो या छोड़ दो। 4 नवंबर, 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सीसीआई के जुमार्ने को बरकरार रखा, लेकिन नियामक द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को पलटते हुए विज्ञापन उद्देश्यों के लिए डेटा साझाकरण की आंशिक अनुमति दी। इसके बाद, 15 दिसंबर, 2025 को एक स्पष्टीकरण जारी किया गया जिसमें अनिवार्य किया गया कि विज्ञापन से संबंधित डेटा साझाकरण जारी रह सकता है, लेकिन सभी प्रकार के डेटा साझाकरण, चाहे वह विज्ञापन से संबंधित हो या गैर-विज्ञापन से,

उपयोगकताओं को स्पष्ट ऑप्ट-आउट अधिकार प्रदान करना आवश्यक है। पीठ ने ऑप्ट-आउट तंत्रों की प्रभावशीलता पर भी चिंता व्यक्त की, यह देखते हुए कि तमिलनाडु या बिहार के किसी दूरस्थ क्षेत्र में रहने वाला कोई सड़क विक्रेता या व्यक्ति गोपनीयता नीतियों में प्रयुक्त "चालाक भाषा" को नहीं समझ सकता है। न्यायालय ने टिप्पणी की कि उपभोक्ताओं का व्यावसायिक शोषण किया जा रहा है और मौन उपभोक्ताओं को आवाजहीन व्यवस्था का शिकार बताया। न्यायालय ने आगे कहा कि उपयोगकर्ता ऐसे प्लेटफार्मों के आदी हो गए हैं और वास्तविक विकल्प यह नहीं है कि उन्हें चेतावनी दी गई थी या नहीं, बल्कि यह है कि उन्हें शर्तों को स्वीकार करने या सेवा छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। इस बात पर जोर देते हुए कि निजता के अधिकार से समझौता नहीं किया जा सकता, पीठ ने कहा कि वह किसी भी नागरिक के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होने देगी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "यह देश की निजता पर चोरी करने का एक घटिया तरीका है। इस देश में निजता के अधिकार की इतनी सख्ती से रक्षा

संजय राउत का बड़ा आरोप, गौतम अडानी को बचाने के लिए हुई भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

मुंबई एजेंसी: शिवसेना के यूबीटी सांसद संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह समझौता राष्ट्रीय हित और किसानों के कल्याण से समझौता करता है। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ में 18% की कमी आई है, जिससे कपड़ा, दवा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, "पूरा विपक्ष राज्यसभा से वॉकआउट कर गया। राष्ट्रीय हित और किसानों के हित से समझौता किया गया है। मुझे लगता है कि यह व्यापार समझौता गौतम अडानी को बचाने के लिए किया गया है, और हम इसके खिलाफ सड़कों से लेकर संसद तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसी तरह की चिंताओं को दोहराते हुए, अरविंद सावंत ने केंद्रीय बजट का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा क्या आपने अपना बजट देखा है? उस बजट में आपने शून्य प्रतिशत शुल्क लगाया है। सभी वस्तुएं अमेरिका से आ रही हैं। अमेरिका पाकिस्तान पर 10% कर लगाता है, जबकि पहले वह हम पर 3% कर लगाता था। आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों ने एक व्यापार समझौते पर सहमति जताई है जिसके तहत अमेरिका पारस्परिक शुल्क को घटाकर 25% से 18% कर देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में घोषणा की कि अब मेड इन इंडिया उत्पादों पर अमेरिका का शुल्क घटकर 18% हो जाएगा और उन्होंने इस शानदार घोषणा के लिए

बिहार का मेगा बजट: वित्त मंत्री ने पेश किया 34 लाख करोड़ का लेखा-जोखा, जानें क्या है खास

पटना एजेंसी: बिहार के वित्त मंत्री बिजेंद्र यादव ने राज्य विधानसभा में 2026-27 का बजट पेश किया। बजट प्रस्तुत करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस वर्ष का 34 लाख करोड़ रुपये का बजट पिछले वर्ष के 31 लाख करोड़ रुपये के बजट से काफी अधिक है। इसमें से 7724 करोड़ रुपये सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। यादव ने यह भी कहा कि 2026-27 वित्तीय वर्ष के लिए कर राजस्व लगभग 65,800 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। बिजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार के न्याय के साथ विकास के आदर्श वाक्य के अनुरूप, सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 7724 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि बजट ईमान, ज्ञान, विज्ञान, अरमान और सम्मान पर केंद्रित होकर तैयार किया गया है। यादव ने पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों से पहले शुरू की गई बहुचर्चित मुख्यमंत्री महिला

रोजगार योजना का भी जिक्र किया, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसने सत्ताधारी एनडीए को निर्णायक जीत दिलाई। मंत्री ने कहा कि 1.56 करोड़ महिलाओं के खातों में 10,000 रुपये की राशि हस्तांतरित की गई। जल्द ही, उन महिलाओं को 2 लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे जिन्होंने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया होगा। बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने मंगलवार को इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य का बजट पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है और कहा कि इस वर्ष का बजट राज्य को और आगे ले जाएगा। बिहार की प्रगति का उल्लेख करते हुए संजय सरावगी ने कहा कि राज्य देश में सबसे तीव्र आर्थिक विकास का अनुभव कर रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में पेश किए गए बजटों में लगातार बजटीय प्रावधानों में वृद्धि देखी गई है। 2005 में यह 23,000 करोड़ रुपये था; पिछले बजट में यह बढ़कर 3,17,000 करोड़ रुपये हो गया और आज वित्त मंत्री बिहार का बजट पेश करेंगे। निसंदेह, यह बजट बिहार को और भी आगे ले जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि कल प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण से पता चलता है

ट्रंप के टैरिफ घटाने से किनता होगा भारत को फायदा? पक्ष-विपक्ष समेत जानिए किसने क्या कहा

नई दिल्ली एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रेड डील को लेकर बड़ी खुशखबरी दी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट में पीएम मोदी की जमकर तारीफ की और अमेरिका-भारत के बीच व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने भारत पर लागू 25% टैरिफ को घटाकर 18% करने का ऐलान किया। राजनीति और उद्योग जगत के दिग्गजों ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि 'अनिश्चित भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर लिया है। इस व्यापार समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह का बयान गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि भारत-अमेरिका संबंधों के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया गया है। इससे मजबूत व्यापारिक संबंधों और आपसी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह समझौता हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेगा और दोनों देशों को लाभ पहुंचाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने क्या कहा? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता दोनों देशों को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा। यह दोनों पक्षों के लिए जीत की तरह है। दोनों देशों के नागरिकों और उद्योगों को इस समझौते से बहुत लाभ मिलेगा। क्या बोले हर्ष गोयनका? आईएएनएस के अनुसार, आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने एक्स पर लिखा-पहले यूरोपीय संघ के साथ मदर आफ आल डील्स। अब अमेरिका के साथ फादर आफ आल डील्स। मोदी सरकार की महान उपलब्धि! सब्र का फल मीठा होता है। स्नैपडील के पूर्व सीईओ कुणाल बहल का पोस्ट उद्यमी और स्नैपडील

के पूर्व सीईओ कुणाल बहल ने पोस्ट किया कि अधिकांश बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के साथ हमारा समझौता है, जबकि हमारी अपनी अर्थव्यवस्था भी विकास पथ पर है। प्रधानमंत्री मोदी का अविश्वसनीय नेतृत्व। प्रेट्र के अनुसार, यूएस-इंडिया स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसएफ) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा का स्वागत किया। कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ में कमी एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम है। विपक्ष का निशाने पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील आज की घोषणा दोनों पक्षों की ओर से व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छाशक्ति का संकेत देती है। यह समझौता विभिन्न क्षेत्रों में टैरिफ, बाजार पहुंच, गैर-टैरिफ बाधाओं और व्यापार संबंधी अन्य मुद्दों का समाधान करेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत को राष्ट्रपति ट्रंप की व्यापार घोषणा पर समय से पहले जश्न मनाने से बचना चाहिए। 500 अरब डालर की अमेरिकी खरीदारी का आंकड़ा भी समय-सीमा के बिना विश्वसनीयता से रहित है। भारत का अमेरिका से वर्तमान वार्षिक आयात 50 अरब डालर से कम है, जो यह दशार्ता है कि यह एक दीर्घकालिक आकांक्षा है। विपक्ष ने 'फादर आफ आल डील्स' करार दिया इस बीच विपक्ष ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की घोषणा के बाद कांग्रेस ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार हार मान ली है। यह 'फादर आफ आल डील्स' नहीं हो सकता। मिस्टर इंडिया फिल्म के एक संवाद का हवाला देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा-स्पष्ट है कि मोगैंबो खुश है। इससे पहले भारत और यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते को मदर आफ आल डील्स कहा जा रहा था। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बातचीत की पुष्टि किए जाने के बाद भी कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोल दिया था। विपक्षी पार्टी ने कहा कि ऐसा लगता है कि भारत को अपनी सरकार की गतिविधियों की जानकारी केवल ट्रंप या उनके द्वारा नियुक्त अधिकारियों से ही मिलती है।

संपादकीय

न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि

समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकडनों में और भी मजबूती से बांध डाला है।

उच्च शिक्षण संस्थानों में कथित जातीय भेदभाव को दूर करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों ने नई सामाजिक हलचल पैदा कर दी है। इससे संबंधित अपने आरंभिक ड्राफ्ट में आयोग ने दो बदलाव किए। उससे ये मामला भड़का है। शुरूआती ड्राफ्ट में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के साथ जातीय आधार पर भेदभाव के मामलों में कार्रवाई की प्रक्रिया शामिल थी। उसमें यह प्रावधान भी था कि गलत शिकायत दर्ज कराने वाले छात्र (या कर्मचारी) पर क्या कार्रवाई होगी। ड्राफ्ट का समाज के एक हिस्से की तरफ से विरोध हुआ। उसके दबाव में आकर यूजीसी ने एक तो संभावित उत्पीडन का शिकार होने वाले समूहों में ओबीसी जातियों को शामिल कर दिया और दूसरे गलत शिकायत से संबंधित प्रावधान को हटा दिया। नतीजा सामान्य श्रेणी वर्ग में गहरे असंतोष के रूप में सामने आया है। इन समूहों की दलील है कि जाति आधारित भेदभाव का शिकार वो भी होते हैं। इस समझ के मुताबिक जातिगत भेदभाव ताकत एवं प्रभाव की स्थिति में मौजूद हर अधिकारी कर सकता है, भले वह किसी जाति से आया हो। उनके मुताबिक यूजीसी इक्विटी विनियमन 2026 की भाषा ऐसी है, जिससे संदेश जाता है कि हर मामले में उत्पीड़क सामान्य श्रेणी के लोग ही होते हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक यूजीसी इस तर्क से सहमत नहीं है और जल्द ही वह इस बारे में स्पष्टीकरण जारी करेगा। अगर ये खबर सच है, तो अपेक्षित होगा कि यूजीसी फौरन ऐसा करे। वरना, ये विवाद एक नई सामाजिक अशांति का कारण बनता नजर आ रहा है। वैसे, इस तरह के मामलों में तमाम तरह के स्पष्टीकरणों की अपनी सीमा है। समस्या आनुपातिक समानता के नाम पर दशकों से चल रही वो राजनीति है, जिसमें न्याय की व्यापक समझ को तिलांजलि दे दी गई है। इस सोच ने समाज को पुरानी जकडनों में और भी मजबूती से बांध डाला है।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञ-सु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसलामासिक धर्म स्वच्छता अब गरिमा और जीवन के अधिकार का हिस्सा

कांतिलाल मांडोत

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सिर्फ एक कानूनी आदेश नहीं, बल्कि भारतीय समाज की उस चुप्पी को तोड़ने वाला क्षण है, जिसने दशकों तक मासिक धर्म को हाशिए पर रखा। देश की सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मासिक धर्म स्वास्थ्य संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और गरिमा के मौलिक अधिकार का अभिन्न हिस्सा है। इस फैसले के साथ ही स्कूलों में पढ़ने वाली लाखों छात्राओं के लिए स्वच्छता, सम्मान और समान अवसर की राह मजबूत हुई है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने यह फैसला एक जनहित याचिका पर सुनाते हुए केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि देश के हर सरकारी और निजी स्कूल में छात्राओं को मुफ्त ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएं। अदालत ने यह भी अनिवार्य किया कि स्कूलों में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय हों, जिनमें पर्याप्त पानी, साबुन, हैंडवॉश और निजी इस्तेमाल की सुविधा मौजूद हो। यदि कोई निजी स्कूल इन मानकों का पालन नहीं करता है, तो उसकी मान्यता रद्द की जा सकती है, जबकि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कमी की सीधी जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की होगी।

कोर्ट ने अपने फैसले में माना कि मासिक धर्म के दौरान बुनियादी सुविधाओं की कमी केवल असुविधा नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा, निजता और शिक्षा के अधिकार पर सीधा आघात है। अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी स्कूल में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं, तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन है। लड़कियों को सैनिटरी पैड जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रखना उन्हें लड़कों के समान शिक्षा और गतिविधियों में भाग लेने से रोकता है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता।

इस मामले की पृष्ठभूमि भी उतनी ही गंभीर है। सामाजिक कार्यकर्ता जया ठाकुर ने वर्ष 2022 में यह जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें बताया गया था कि आर्थिक तंगी और सामाजिक झिझक के कारण बड़ी संख्या में किशोरियां मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं जा पातीं। कई परिवारों के लिए सैनिटरी पैड पर खर्च करना बोझ बन जाता है, नतीजतन लड़कियां कपड़े या असुरक्षित विकल्पों का इस्तेमाल करती हैं, जिससे संक्रमण और आत्मसम्मान दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट में करीब चार साल चली सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि उत्तर भारत में लगभग 29 प्रतिशत छात्राएं मासिक धर्म के दिनों में स्कूल नहीं जातीं, और यही अनुपस्थिति आगे चलकर पढ़ाई छूटने और स्कूल छोड़ने की बड़ी वजह बनती है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में सिर्फ पैड उपलब्ध कराने तक बात सीमित नहीं रखी। अदालत ने कहा कि हर स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन कॉर्नर बनाए जाएं, जहां अतिरिक्त यूनिफॉर्म, इनरवियर और डिस्पोजेबल बैग उपलब्ध हों, ताकि किसी भी आपात स्थिति में छात्रा को स्कूल छोड़कर घर न जाना पड़े। टॉयलेट परिसरों में या तय स्थानों पर वेंडिंग मशीन के माध्यम से सैनिटरी पैड आसानी से उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है। साथ ही दिव्यांग छात्राओं के लिए अनुकूल शौचालय व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि कोर्ट ने मासिक धर्म को लेकर सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करने की जरूरत पर बल दिया। अदालत ने कहा कि यह आदेश केवल कानूनी तंत्र के लिए नहीं है, बल्कि उन लड़कियों के लिए है जो मदद मांगने से झिझकती हैं, उन शिक्षकों के लिए है जो सहयोग करना चाहते हैं लेकिन सामाजिक चुप्पी के कारण बंधे रहते हैं, और उन माता-पिता के लिए है जो इस विषय पर खामोशी चुन लेते हैं। कोर्ट ने भावनात्मक शब्दों में कहा कि हर उस लड़की को यह संदेश मिलना चाहिए कि मासिक धर्म कोई अशुद्धता या बोझ नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, और इसके कारण शिक्षा से दूर किया जाना किसी भी हालत में जायज नहीं है।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि स्कूलों के पाठ्यक्रम में मासिक धर्म, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक और मानसिक बदलावों तथा स्वास्थ्य से जुड़े विषयों को शामिल किया जाए। शिक्षकों, छात्राओं और स्कूल स्टाफ को मासिक धर्म स्वच्छता पर प्रशिक्षण देने की बात कही गई है, ताकि गलत धारणाओं और शर्म की भावना को खत्म किया जा सके। कोर्ट का मानना है कि जब तक जानकारी और संवाद को सामान्य नहीं बनाया जाएगा, तब तक केवल ढांचागत सुविधाएं भी अधूरी साबित होंगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब देश के कई राज्यों ने अपने स्तर पर मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर पहल की है। ओडिशा ने 2018 में ह्यखुशी योजनाह्ल शुरू कर सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त सैनिटरी पैड देना शुरू किया था। मध्य प्रदेश ने कैश ट्रांसफर मॉडल अपनाते हुए सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं के खातों में सालाना राशि डालने की व्यवस्था की। राजस्थान में ह्यउड़ान योजनाह्ल के तहत स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी स्तर पर मुफ्त नैपकिन बांटे जाते हैं। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी अलग-अलग योजनाओं और वेंडिंग मशीनों के जरिए छात्राओं तक ये सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर एक समान कानूनी आधार मिल गया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह स्वयं इन निर्देशों के पालन की निगरानी करेगा और तीन महीने बाद इस मामले में फिर सुनवाई होगी। इसका मतलब है कि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके क्रियान्वयन पर भी नजर रखी जाएगी। निजी स्कूलों के लिए यह चेतावनी है कि शिक्षा केवल फीस और इमारतों तक सीमित नहीं, बल्कि छात्राओं की गरिमा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी उनका दायित्व है।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारतीय शिक्षा व्यवस्था और समाज दोनों के लिए एक मील का पत्थर है। यह पहली बार है जब मासिक धर्म स्वास्थ्य को इतने स्पष्ट रूप से मौलिक अधिकार के दायरे में रखा गया है। यह आदेश न सिर्फ स्कूलों की दीवारों के भीतर बदलाव लाएगा, बल्कि घरों और समाज में भी बातचीत की दिशा बदलेगा। जब अदालत कहती है कि मासिक धर्म के दौरान सम्मानजनक सुविधा मिलना जीवन और गरिमा के अधिकार का हिस्सा है, तो वह दरअसल यह याद दिलाती है कि समानता केवल कानून की किताबों में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के अनुभवों में महसूस होनी चाहिए। यही इस फैसले की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कैंसर मौन महामारी, जागरूकता ही है सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बढ़ रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें।

कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि ह्यकैंसरह्ल आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान

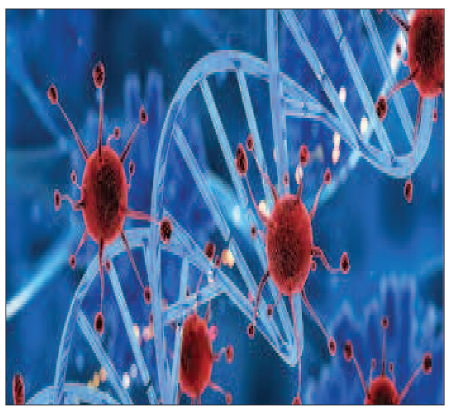

खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

विकसित भारत बनाने में भारतीय रेल परियोजनाओं को मिली नई रफ्तार

मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा...

वैश्विक मानचित्र पर आए दिनों चर्चा व चिन्तन भारत का होना आम बात है, लेकिन इन दिनों आम बजट मे रेल मंत्रालय को आवांटित राशि को ले चहूँ दिशाओं में विकाश की तेज रफ्तार व सीटी सुनाई पड़ने लगी है। केन्द्रीय बजट 2026-27 लोकसभा में प्रस्तुत हो चुका है और यह बजट केवल सरकार के आय-व्यय का लेखा नहीं,बल्कि भारत के भविष्य का वह निर्णायक दस्तावेज है जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को नई शक्ति देता है। इस बजट का सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि भारतीय रेल को केन्द्र में रखकर मोदी सरकार ने राष्ट्र निर्माण की गति को और तेज करने का स्पष्ट संदेश दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत मिशन' और केन्द्रीय रेलमंत्रीअश्विनी वैष्णव का आधुनिक रेलवे विजन अब कागजों की योजना नहीं,बल्कि बजट की ठोस घोषणाओं और रिकॉर्ड निवेश के माध्यम से यथार्थ की धरातल पर उतरता दिखाई दे रहा है। भारतीय रेल आज अपने यात्रियों को गंतव्य तक पहुँचाने वाली व्यवस्था नहीं रह गई, बल्कि यह भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़,उद्योगों की जीवनरेखा,कृषि बाजारों की शक्ति और रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन बन चुकी है। आप को मै स्पष्ट कर दुँ किवर्ष 26- बजट में भारतीय रेल को लगभग 2.78 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत आवंटन प्राप्त हुआ है,जो भारतीय रेल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार माना गया है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस निवेश को देश की आर्थिक पटरी पर तेज रफ्तार विकास का विजय घोष कहा है। सर्वविदित रहे कि पिछले दशक में रेलवे में जिस स्तर पर परिवर्तन आया है,वह स्वतंत्र भारत में अभूतपूर्व है। रेलवे नेटवर्क का विस्तार,नई तकनीक का समावेश,स्टेशन पुनर्विकास,हाई- स्पीड रेल परियोजनाएँ और हरित ऊर्जा की दिशा में कदम- यह सब भारत को एक नई रेल क्रांति की ओर ले जा रहा है। रेल बजट 2026-27 का सबसे बड़ा आकर्षण सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा है। ये कॉरिडोर भारत के औद्योगिक केन्द्रों,व्यापारिक शहरों, कृषि उत्पादन क्षेत्रों और निर्यात हब को तेज गति से जोड़ेंगे। हाई-स्पीड रेल नेटवर्क केवल यात्रियों के समय की बचत नहीं करेगा,बल्कि यह निवेश आकर्षण,उद्योग विस्तार, पर्यटन विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के तीव्र उत्थान का माध्यम

बनेगा। जब शहरों के बीच दूरी घटती है,तब व्यापार की गति बढ़ती है,नए रोजगार के अवसर पैदा होते है। इससे आर्थिक गतिविधियाँ कई गुना तेज हो जाती हैं। दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी- सिलीगुड़ी जैसे कॉरिडोर उत्तर भारत और पूर्वी भारत की आर्थिक तस्वीर बदलने की क्षमता रखते हैं। यह विकसित भारत की ओर बढ़ते कदमों का सबसे बड़ा संकेत है। इसी बजट में हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना को आगे बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। भारत अब केवल परंपरागत डीजल इंजनों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। हाइड्रोजन ट्रेनें पर्यावरण अनुकूल,ऊर्जा दक्ष और भविष्य की परिवहन प्रणाली का प्रतीक हैं। इससे प्रदूषण घटेगा, ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी और भारत हरित परिवहन क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह वही सोच है जो विकसित राष्ट्रों की पहचान बन चुकी है। अब भारत भी उसी दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन परियोजना को भी बजट 2026-27 में नई ऊर्जा मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और आधुनिक राष्ट्र निर्माण की पहचान बन चुकी है। बुलेट ट्रेन केवल एक रेल सेवा नहीं,बल्कि भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, निवेश सामर्थ्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का प्रतीक है। आने वाले वर्षों में इसका विस्तार भारत को हाई-स्पीड ट्रांसपोर्ट के वैश्विक मानचित्र पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

रेलवे विद्युतीकरण भी इस बजट का एक मजबूत स्तंभ है। सरकार का लक्ष्य है कि भारतीय रेल नेटवर्क पूर्णतः विद्युतीकृत होकर ऊर्जा दक्ष, तेज,सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बने। विद्युतीकरण से परिचालन लागत घटेगी,माल ढुलाई क्षमता बढ़ेगी और भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत होगा। रेलवे की गति केवल ट्रेनों की रफ्तार नहीं बढ़ाएगी,बल्कि यह भारत की आर्थिक गति को भी तेज करेगी। रेल बजट 2026-27 का सबसे प्रत्यक्ष और जनसरोकार से जुड़ा पक्ष अमृत भारत स्टेशन योजना है। देशभर में सैकड़ों रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन अब केवल प्लेटफॉर्म नहीं रहेंगे, बल्कि आधुनिक यात्री सुविधा केन्द्र,व्यापारिक गतिविधियों के हब और स्थानीय रोजगार के केन्द्र बनेंगे। छोटे शहरों और कस्बों में स्टेशन विकास से होटल,टैक्सी, दुकानें,स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान उद्योग और पर्यटन व्यवसाय को नया जीवन मिलेगा। रेलवे स्टेशन अब विकास के प्रवेश द्वार बनेंगे। नई रेल लाइनों,डबलिंग, ट्रैक अपग्रेडेशन और फ्रेट कॉरिडोर परियोजनाओं पर भी बजट में विशेष बल दिया गया है। माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए रेलवे को आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में बदला जा रहा है। इससे कृषि उत्पाद तेजी से बाजारों तक पहुँचेंगे,उद्योगों को कच्चा माल समय पर मिलेगा और निर्यात क्षेत्र को नई शक्ति मिलेगी। रेलवे विकास का अर्थ केवल यात्री सुविधा नहीं,बल्कि भारत के उत्पादन और व्यापार की क्षमता में क्रांतिकारी वृद्धि है। इस बजट का सबसे बड़ा सामाजिक प्रभाव रोजगार के क्षेत्र में दिखाई देगा। नई परियोजनाओं से लाखों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। इंजीनियरिंग,निर्माण,तकनीकी सेवा,आईटी सिस्टम, सुरक्षा व्यवस्था,खानपान,पर्यटन और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में रोजगार की व्यापक संभावनाएँ खुलेंगी। रेलवे परियोजनाएँ केवल सरकारी नौकरियाँ नहीं,बल्कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार और उद्यमिता के अवसर पैदा करती हैं। राज्यवार आवंटन के आंकड़े यह दशार्ते हैं कि रेलवे विकास अब केवल कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं,बल्कि पूरे भारत में संतुलित विस्तार का माध्यम बन चुका है। 2026-27 में महाराष्ट्र को लगभग 23,926 करोड़ रुपये,उत्तर प्रदेश को 20,012 करोड़ रुपये,गुजरात को 17,366 करोड़ रुपये,मध्य प्रदेश को 15,188 करोड़ रुपये,पश्चिम बंगाल को 14,205 करोड़ रुपये, राजस्थान को 10,228 करोड़ रुपये,बिहार को 10,379 करोड़ रुपये,झारखंड को 7530 करोड़ रुपये,ओडिशा को 10,928 करोड़ रुपये और असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र को 11,486 करोड़ रुपये का आवंटन मिला है। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि रेलवे विकास नीति में क्षेत्रीय संतुलन और व्यापक विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। बिहार जैसे राज्यों में यह निवेश विशेष महत्व रखता है,क्योंकि बीते वर्षों की तुलना में बिहार को कई गुना अधिक आवंटन मिला है। इससे राज्य में नई रेल परियोजनाएँ, स्टेशन विकास,पर्यटन कनेक्टिविटी और स्थानीय व्यापार को बड़ा लाभ होगा। मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और दिल्ली जैसे क्षेत्रों में भी रेलवे निवेश में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है,जो इन क्षेत्रों की औद्योगिक क्षमता और रोजगार अवसरों को व्यापक बनाएगी। पूर्वोत्तर क्षेत्र में विशेष आवंटन इस बात का संकेत है कि सरकार सीमांत क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। रेल बजट 2026- 27 वास्तव में मोदी सरकार की उस सोच का प्रतिबिंब है। जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को राष्ट्र निर्माण का सबसे बड़ा आधार माना गया है। प्रधानमंत्री मोदी का विकसित भारत मिशन अब रेलवे जैसी जीवनरेखा में हो रहे रिकॉर्ड निवेश से वास्तविकता बनता दिख रहा है। वैष्णव का विजन भारतीय रेल को आधुनिक,सुरक्षित,तेज, पर्यावरण अनुकूल और विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में निर्णायक है।

भारतीय रेल आज नई पटरियाँ बिछा रही है, लेकिन उससे भी अधिक वह भारत के भविष्य की आर्थिक पटरी बिछा रही है। यह बजट आने वाले वर्षों में भारत को न केवल एक विशाल रेल नेटवर्क वाला देश बनाएगा,बल्कि एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनाएगा जो गति, सुरक्षा,हरित ऊर्जा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के नए मानकों पर खड़ी होगी। विकसित भारत की ओर दौड़ती यह रेलगाड़ी अब रुकने वाली नहीं है,क्योंकि इसके पीछे राष्ट्र की आकांक्षा है,सरकार की प्रतिबद्धता है और भविष्य की अनिवार्यता है। *मोदी सरकार के आम बजट मे मिशन और केन्द्रीय रेल अश्विनी वैष्णव का ऐतिहासिक विजन में भारतीय रेल देश की आर्थिक रीढ़ व विकसित भारत बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा* भारतीय रेल अब केवल यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के उत्थान,रोजगार,व्यापार और वैश्विक शक्ति बनने की यात्रा का सबसे बड़ा वाहक बन चुकी है।

'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत धनौरा पुलिस ने 7 बच्चों का स्कूल में किराया दाखिला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा पुलिस ने 7 बच्चों का दाखिला स्कूल में कराया है ,पुलिस द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य को अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया के निर्देशन में 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत कराया गया है। पुलिस द्वारा उठाए गए इस सराहनीय कदम से बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव रखी गई है। बता दें कि बता दें कि क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया के पर्यवेक्षण और वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में एंटी रोमियो टीम ने एक विशेष अभियान चलाया है जिसके तहत टीम ने नगर के कंचन बाजार में उन बच्चों को चिन्हित किया जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित थे, पुलिस टीम ने इन सात बालक बालिकाओं का ग्राम वंश गोपालपुर के प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित कराया है। जिन बच्चों को शिक्षा का अवसर मिला है उनमें प्रीति 8 वर्ष, साक्षी 10 वर्ष, कुंज 7 वर्ष , शौर्य 7 वर्ष, सिद्धार्थ 6 वर्ष, गौरी 6 वर्ष और अनुराग 5 वर्ष शामिल है ।पुलिस विभाग के इस कार्य की क्षेत्र में व्यापक प्रशंसा हो रही है ,अधिकारियों का मानना है कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक सुधार भी पुलिस की प्राथमिकताओं में से एक है, निरक्षरता को कम करने की दिशा में मिशन शक्ति का यह चरण एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। एंटी रोमियो टीम की महिला सदस्यों ने बच्चों का दाखिला कराने के साथ-साथ उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित भी किया। इस पुनीत कार्य में महिला उप निरीक्षक मोनिका तोमर, महिला हेड कांस्टेबल दुर्गावती ,महिला कांस्टेबल नाजरा बेगम और महिला कांस्टेबल आरती बालियान का विशेष योगदान रहा।

पुलिस की इस पहल ने यह संदेश दिया है कि खाकी वर्दी केवल सुरक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है बल्कि समाज की वंचित वर्ग के लिए मददगार की भूमिका भी निभाती है। विद्यालय पहुंचे बच्चों के चेहरे पर बिखरी मुस्कान ऑपरेशन मुस्कान की सफलता को दर्शा रही थी ।थाना प्रभारी बालेंद्र कुमार ने मिशन शक्ति टीम के प्रयासों की सराहना की है।

डीएम ने ओवररेटिंग की शिकायत पर शराब की दुकान संचालक को किया नोटिस जारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शराब की दुकानों पर ओवररेटिंग के मामले में सख्त कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता ने हसनपुर शहर स्थित एक कंपोजिट शराब दुकान को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह दुकान अमरोहा-अतरासी अड्डे के पास वार्ड नंबर 12 में संचालित है, जिसकी मालिक पूनम देवी (पत्नी ललित चौहान, निवासी मोहल्ला अवंतिका नगर, थाना गजरौला) हैं ।शिकायत के अनुसार, दुकानदार निर्धारित मूल्य से ड्ट10 अधिक वसूल रहे थे। ग्राहकों से प्रत्येक क्वार्टर और बीयर पर अतिरिक्त राशि ली जा रही थी। यह प्रथा काफी समय से चल रही थी, जिसकी कई शिकायतें सामने आईं। डीएम निधि गुप्ता ने स्पष्ट किया कि शराब की बिक्री केवल सरकारी निर्धारित दरों पर ही होनी चाहिए।नोटिस जारी होने के बाद विक्रेता को एक सप्ताह के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा। पहली बार ओवररेटिंग पाए जाने पर नियमों के अनुसार ड्ट75 हजार तक का जुमार्ना लग सकता है। जिलेभर में ऐसी शिकायतें आम हैं, और डीएम के इस कदम से अवैध वसूली पर लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशासन ने जनता से ऐसी किसी भी अनियमितता की सूचना देने की अपील की है, ताकि सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। यह कदम उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कस्तूरबा व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में किशोरियों के स्वास्थ्य को लेकर होगी खून की जांच

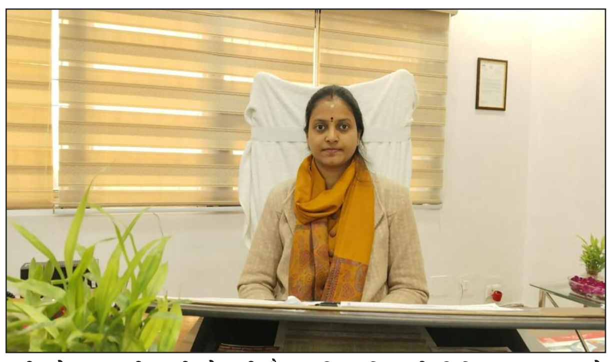

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्वास्थ्य विभाग एनीमिया मुक्त भारत के तहत राजकीय इंटर कॉलेज व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली किशोरियों में आयरन की कमी की जांच कराएगी। जिसमें हीमोग्लोबिन की कमी पाए जाने पर उन्हें आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां वितरण की जाएगी। इसके लिए माइक्रो प्लान तैयार कर ब्लॉक स्तर पर टीम गठित की गई है। किशोरियों को संतुलन भोजन न मिलने पर उनका स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। शरीर में खून की कमी हो रही है। जिसमें विवाह करने पर उनकी जान के लिए खतरा हो जाता है। लिहाजा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने राजकीय इंटर कॉलेज व ब्लॉक स्तर पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली 10 से 19 साल तक की किशोरी की एनीमिया की जांच के निर्देश दिए गए थे। जिसके अनुपालन में प्रभारी सीएमओ ने माइक्रो प्लान तैयार कर कस्तूरबा गांधी व राजकीय इंटर कॉलेज में किशोरियों की जांच करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर टीम गठित की गई है। जिसमें टीम में महिला चिकित्सक भी शामिल हैं। ब्लॉक स्तर पर टीम स्कूलों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शिविर लगाकर उनकी हीमोग्लोबिन की जांच करेगी।

रिफ्लेक्टर टेप न लगाना और नंबर प्लेट न लगाने के मामलों में 20 चालान काटे

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में परिवहन विभाग ने अनधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ आज सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के निर्देशन में दो टीमों का गठन किया गया। एक टीम का नेतृत्व स्वयं एआरटीओ महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम पीटीओ सुधीर सिंह के नेतृत्व में थी ।यह अभियान नेशनल हाईवे पर दो हिस्सों में विभाजित कर चलाया गया–पहला हिस्सा ब्रजघाट से जोया टोल प्लाजा तक और दूसरा जोया टोल से मुरादाबाद बॉर्डर तक। टीमों ने हाईवे पर संदिग्ध वाहनों को बड़ी सावधानी से रोका। कुछ चालकों ने तेज रफ्तार से भागने की कोशिश की, तो कुछ ने लिंक मार्गों से निकलने का प्रयास किया। कई वाहन स्वामियों ने सिफारिश लगवाकर वाहन छुड़वाने की कोशिश की, लेकिन विभाग ने किसी की नहीं सुनी और सख्ती बरती ।आज की इस विशेष कार्रवाई में कुल 5 बसें सीज की गईं, जो अनधिकृत रूप से यात्री परिवहन कर रही थीं। इसके अलावा, सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में–जैसे सीट बेल्ट न लगाना, चलते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना, रिफ्लेक्टर टेप न लगाना और नंबर प्लेट न लगाने–के मामलों में कुल 20 चालान काटे गए ।परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान सड़क सुरक्षा और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा है।

ऐसे अनधिकृत और असुरक्षित वाहनों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और यातायात व्यवस्था सुचारू रहे। विभाग ने चालकों और वाहन मालिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, अन्यथा सख्त दंड का सामना करना पड़ सकता है।

युवा श्रवण कुमार ने राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता में किया प्रथम स्थान प्राप्त

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से उत्तीर्ण युवा श्रवण कुमार, पुत्र जयचन्द ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता-2026 में स्किल ऑटो बॉडी रिपेयर श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। श्रवण कुमार की इस उपलब्धि पर नोडल प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई अमरोहा राहुल कृष्ण शर्मा ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए प्रमाण पत्र एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि यह सफलता संस्थान के प्रशिक्षण की गुणवत्ता और युवा की मेहनत का परिणाम है। यह उपलब्धि अमरोहा जिले तथा पूरे प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी है, जो कौशल आधारित शिक्षा से आत्मनिर्भर बन रहे हैं ।उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन निरंतर युवाओं को वैश्विक स्तर के कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार के योग्य बना रहा है। श्रवण कुमार जैसी सफलताएं प्रदेश की स्किलिंग पहल की मजबूती दशार्ती हैं।

श्री वेंक्टेश्वरा संस्थान में राष्ट्रवाद, युवा शक्ति एवं शिक्षा से शिखर की ओर भारत पर बौद्धिक संगौष्ठी का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में शिक्षा, युवा शक्ति एवं राष्ट्रवाद से शिखर की ओर भारत विषय पर एक बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें आर0एस0एस0 के बौद्धिक प्रकोष्ठ के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री सुशील जी ने युवाओ से जातिवाद, क्षेत्रवाद, धर्म, सम्प्रदाय से ऊपर उठकर राष्ट्रवादी सोच के साथ अखण्ड भारत का निर्माण कर भारत को फिर से विश्व गुरू बनाने का आवाहन किया। इसके साथ ही उन्होने चीन एवं पाकिस्तान के कब्जे में चीन एवं पाक अधिकृत भारत के भू-भाग को वापस लेने के लिए युवाओ से आगे बढ़कर इस राष्ट्रीय जागरूकता अभियान से जुड़ने का संकल्प दिलाया।श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान के स्वामी विवेकानन्द सभागर में राष्ट्रवाद, युवा शक्ति एवं शिक्षा से शिखर की ओर भारत विषय पर आयोजित बौद्धिक संगौष्ठी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि बौद्धिक प्रकोष्ठ के श्री सुशील जी, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, प्रचारक योगेन्द्रजी, महाकवियत्री डॉ0 मधु चतुर्वेदी, डॉ0 राहुल अवस्थी, भाजयुमो अध्यक्ष शुभम चैधरी आदि ने भारत माता एवं सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया।अपने सम्बोधन में संघ के पश्चिमी यू0पी0 एवं उत्तराखंड के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य अतिथि सुशील ने उपस्थित शिक्षको एवं बुद्धिजीवियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यदि सही मायने में भारत को विकसित राष्ट्र 2047 के साथ-2 इस दुनिया का सिरमौर यानी विश्वगुरू बनाना है, तो इसमें शिक्षा, सामाजिक समरसता, युवा शक्ति एवं राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ युवाओ को क्षेत्रवाद, जातिवाद, धर्म सम्प्रदाय से ऊपर अखण्ड भारत के निर्माण में जुटना होगा। उन्होने कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद वहां हो रहे तेजी से विकास का जिक्र करते हुए कहा कि जब पाक एवं चीन अधिकृत भारत का हिस्सा भारत में फिर से जुड़ जायेगा, तो निश्चित रूप से भारत समूचे विश्व का नेतृत्वकर्ता होगा।प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि शिक्षा से सशक्त, युवा शक्ति से ऊजार्वान एवं राष्ट्रवाद से प्रेरित भारत इक्कीसवीं सदी में दुनिया को नयी दिशा देने के लिए तैयार है। यह एक ऐसा भारत होगा जो ज्ञान, शक्ति, शान्ति एवं मानवता के मूल्यो के साथ विश्व का नेतृत्व करेगा। यह बढ़ते हुए ललबुलन्द भारत की बुलन्द तस्वीर है, जिस पर पूरी दुनिया नाज करेगी।इस अवसर पर डीन एकेडमिक डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ओमप्रकास गोसाई, डॉ0 अश्विनी सक्सेना, डॉ0 धीरज दुबे, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 योगेश्वर, डॉ0 राम कुमार, डॉ0 आनंद सेन, डॉ0 अनिल जायसवाल, डॉ0 सुमन, डॉ0 ज्योति, डॉ0 आरती, डॉ0 स्नेहलता, डॉ0 विकास पाण्डेय, मेरठ परिसर से डॉ0 पंकज चैधरी, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स टीचर को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- रेलवे ओवरब्रिज पर नगर निवासी एक स्पोर्ट्स टीचर को एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक मोहित शहर के सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में स्पोर्ट्स टीचर के पद पर तैनात थे जो रोजाना की तरह बाजार से कुछ सामान लेकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। बता दें कि यह पूरा मामला सोमवार की देर रात करीब 9:30 बजे का बताया जा रहा है। जहां गजरौला नगर के मोहल्ला सैफी नगर निवासी 37 वर्षीय मोहित बाजार से सामान लेकर अपने घर की ओर जा रहे थे जैसे ही उनकी बाइक मोहल्ले के सामने बने रेलवे ओवर ब्रिज पर पहुंची तो पीछे से आए किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भीषण थी की बाइक सड़क पर फिसल गई और मोहित के सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसा होते ही फ्लाईओवर पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई ,यहां से गुजर रहे लोगों ने मोहित को सड़क पर पड़ा देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने 108 एंबुलेंस की मदद से घायल टीचर को गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। सीएचसी में डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया लेकिन उनकी हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मुरादाबाद के लिए रेफर कर दिया ,परिजन उन्हें लेकर मुरादाबाद पहुंचे जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया ,मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। उधर सेंट मैरी कॉन्वेंट स्कूल में भी शोक का माहौल व्याप्त हो गया ,स्कूल के साथी शिक्षकों और छात्रों उन्हें एक मिलनसार और मेहनती स्पोर्ट टीचर बताते हुए उनके चले जाने का दुख प्रकट किया। इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है ,अज्ञात वाहन की तलाश के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

कार्यवाही की जद मे आएंगे सार्वजनिक मार्गो पर पार्किंग कराने वाले बैंकट हॉल

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा की सीमा मे स्थित ऐसे बैंकट हॉल जो आयोजन के समय सार्वजनिक मार्ग पर पार्किंग करवाते हैं उनपर कार्यवाही की जाएगी। इस सम्बन्ध मे विस्तार से जानकारी देते हर पालिका उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा बताया गया की नगरीय क्षेत्र मे बढ़ती हुई वाहनो की संख्या एवं यातायात के अत्यधिक दबाव से नगर मे यातायात व्यवस्था सुचारु नहीं रह पाती है तथा आमजन के लिए आवागमन सुचारु नहीं रहने से नगरवासियो को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर मे स्थित काफी बैंकट हॉल बिना कमर्शियल भवन की एन. ओ. सी. प्राप्त किये व बिना मानको के नियम विरुद्ध रूप से बैंकट हॉल का संचालन कर रहे हैं, अधिकांश बैंकट हॉल के अंदर पार्किंग की व्यवस्था ना होने के कारण इन बैंकट हॉल मे आयोजन के समय बैंकट हॉल मे आये लोग सार्वजनिक मार्गो पर अपने वाहन खड़े करते हैं जिससे मार्गो पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। पालिका द्वारा पूर्व मे भी नगर के बारात घरों को नोटिस जारी कर उनको प्रतिबंधित प्लास्टिक से निर्मित सामग्री का उपयोग आयोजन के समय न किये जाने, आयोजन उपरांत बची हुई सामग्री / कूड़े के उचित निस्तारण किये जाने, व आयोजन मे आये वाहनो को सार्वजनिक मार्गो पर न खड़ा किये जाने की चेतावनी जारी की गयी है। वर्तमान मे नगर मे स्थित बारात घरों द्वारा मानको एवं नियमो का पालन न किये जाने की शिकायतो के दृष्टिगत पालिका के कर अधीक्षक, अवर अभियंता, सफाई निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है की शासनादेशो का उल्लंघन कर संचालित बारात घरों मे छापेमारी कर यह सुनिश्चित किया जाये की बारात घरों मे प्रतिबंधित प्लास्टिक से बनी सामग्री का प्रयोग न किया जाये, आयोजन उपरांत उत्सर्जित कूड़े का उचित निस्तारण किया जाये। तथा किसी भी बारात घर संचालको द्वारा आयोजन के समय सार्वजनिक मार्गो पर वाहनो की पार्किंग न कराई जाये। इन आदेशों एवं शासकीय मानको का उल्लंघन करने वाले बैंकट हॉल के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत की जाये।

हसनपुर में डॉ.भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति की नई कार्यकारिणी का गठन

दिनेश कुमार गौतम अध्यक्ष व जगबीर सिंह मौर्य बने महामंत्री

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर में मंगलवार को आगामी डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारियों को लेकर आज नगर के हसनपुर गैस एजेंसी के प्रतिष्ठान पर अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ हसनपुर के बैनर तले एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नगर के गणमान्य व्यक्तियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी जयंती समारोह को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन करना था। बता दें कि बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों के विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से डा. भीमराव अम्बेडकर जन्मोत्सव समिति हसनपुर के लिए दिनेश कुमार गौतम को अध्यक्ष चुना गया। इसके साथ ही जगवीर सिंह मौर्य को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। महिला सशक्तिकरण और सक्रिय भागीदारी को देखते हुए लता सागर को कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया ।समिति के अन्य प्रमुख पदों पर करणवीर सिंह को कोषाध्यक्ष और रोहताश डब्लू को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। प्रशासनिक और कानूनी मार्गदर्शन हेतु सतेन्द्र सिंह एडवोकेट, ब्रजकिशोर एडवोकेट और अजब सिंह एडवोकेट को लेखाकार की जिम्मेदारी दी गई है ।बैठक के दौरान अखिल भारतीय अंबेडकर संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कार्यकारिणी के सदस्यों को डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उन्हें विस्तार से जानकारी दी ।वहीं क्षेत्र के विभिन्न प्रभावशाली संगठनों के पदाधिकारियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई ।इसमें मुख्य रूप से सुखदेवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महीपाल सिंह,अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ के अध्यक्ष रामवीर सिंह, अम्बेडकर उद्यान समिति के अध्यक्ष विजय कुमार गौतम, जाटव सभा के पूर्व अध्यक्ष मुकेश जाटव,चन्द्रपाल सिंह सैनी,शेर सिंह बौद्ध,बदन सिंह, चन्द्रपाल सिंह,अतुल कुमार,नरेश कुमार, अजयपाल सिंह,रोहताश सिंह,अजब सिंह एडवोकेट, पवनराज जाटव,लवी सागर, कपिल कुमार, जंगबहादुर , नवाब सैफी, हरस्वरूप डीलर, बिजेंद्र सिंह, अतर सिंह आदि मौजूद रहे ।नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना और जयंती समारोह को भाईचारे के साथ मनाना हमारी प्राथमिकता होगी।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में मंगलवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान

के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया तथा थाना चन्दौसी पर रढएछ 3.0 के कार्यक्रम के बारे मे साईबर अपराध के विषय मे रढएछ 3.0 मे आवेदन करने वाले बच्चे को जागरूक किया गया एवं जानकारी की दी गयी। जिसमे प्रभारी निरीक्षक चन्दौसी, व0उ0नि0/नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी ज्योत्सना शर्मा, धन सिंह उपस्थित रहे ।

कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में छात्राओं को मिला आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निदेशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत मंगलवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत ग्राम आटा स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, कस्तूरबा बालिका विद्यालय सरथल खेड़ा तथा विनोबा भावे विद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को विपरीत परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षक सुरेश कुमार, पूर्वी, संतराम, ब्रजेश एवं रितेश द्वारा छात्राओं को लेग राइज, फ्रंट किक, फ्रंट जंप किक, साइड किक, साइड ब्लॉक एवं पंच जैसी तकनीकों का अभ्यास

कराया गया। प्रशिक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि छात्राएं आत्मरक्षा सीखने के लिए अत्यंत उत्साहित हैं और प्रतिदिन अधिक संख्या में प्रशिक्षण में भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं ने कहा कि आत्मरक्षा सीखने के बाद वे स्वयं को पहले से अधिक आत्मविश्वासी और मजबूत महसूस कर रही हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने जानकारी देते हुए बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूलों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में नियमित रूप से आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही छात्राओं को सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृत्ति एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि की जानकारी भी दी जा रही है, ताकि पात्र बालिकाओं एवं महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

भीड़भाड़ नहीं, अब हाईटेक आउटलेट्स! दिल्ली में शराब की दुकानों का होगा 'मॉडर्न मेकओवर', मिलेगा लग्जरी अनुभव

नई दिल्ली। राजधानी में शराब की दुकानों की तस्वीर बदलने वाली है। आने वाले समय में शराब खरीदने के लिए भीड़-भाड़ वाली और बदहाल दुकानों पर नहीं जाना होगा, बल्कि अच्छा अनुभव मिलेगा। दिल्ली स्टेट सिविल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड (डीएससीएससी) शहर की अपनी चुनिंदा शराब दुकानों को माडर्न बनाने और उनका कायाकल्प करने जा रहा है। डीएससीएससी ने पहाड़गंज और हौज खास समेत नौ इलाकों की दुकानों के नवीनीकरण के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। दिल्ली में सरकार के चारों निगमों को मिलाकर कुल 700 से अधिक शराब की दुकानें हैं। इनमें से 172 दुकानें डीएससीएससी के पास हैं। ग्राहकों को लग्जरी अनुभव देने का लक्ष्य अधिकारियों का कहना है कि शराब खरीदने वाले ग्राहकों को एक सुरक्षित और लग्जरी अनुभव देना है, ठीक वैसा ही जैसा पड़ोसी शहरों जैसे गुरुग्राम, नोएडा के कुछ आउटलेट्स में मिलता है। दुकानों में प्रीमियम लाइटिंग और आधुनिक फ्लोरिंग का इस्तेमाल होगा। डीएससीएससी गुड़गांव और नोएडा की तर्ज पर रिटेल अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इन सुविधाओं पर जोर दे रहा है। हाई-टेक सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी कैमरे और फायर सेफ्टी सिस्टम लगाए जाएंगे। पूरी तरह से एयर-कंडीशन्ड (एसी) स्टोर और बेहतर आइटी इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया जाएगा।

नई सड़कें, सुरंग और ई-बस 27,328 करोड़ के प्रोजेक्ट्स से बदलेगी दिल्ली, बिधूड़ी बोले- जाम से राहत तय

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने प्रेसवार्ता में कहा कि केंद्रीय बजट में दिल्ली की चिंता की गई है। अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली को विश्व का सबसे प्रदूषित शहर बना दिया था। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने डीटीसी को बर्बाद कर दिया। एक भी बस नहीं खरीदी। कोई भी नया फ्लाईओवर नहीं बनाया। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार इस समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। दिल्ली में प्रदूषण दूर करने के लिए राजधानी में यातायात सुगम और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए बजट में ध्यान रखा गया है। 27328 करोड़ रुपया दिल्ली के अंदर ट्रैफिक सिस्टम सुधारने के लिए खर्च होंगे। नए सड़क बनेंगे, पुरानी सड़कों की दशा सुधरेगी। सड़कों के काम की जानकारी दी उन्होंने कहा, वसंत कुंज से त्रिमूर्ति तक पांच किलोमीटर सुरंग के लिए 3500 करोड़ रुपये, एम्स से महिपालपुर तक सड़क के लिए पांच हजार करोड़, कालिंदीकुंज पर इंटरचेंज बनाने के लिए पांच सौ करोड़। मथुरा लाइन को चौड़ा और लाल बत्ती खत्म करने के लिए 513 करोड़ रुपये, महरौली - गुरुग्राम रोड पर भी लाल बत्ती समाप्त होगी। इसके साछ ही कई अन्य सड़कों का भी निर्माण हो रहा है। इससे यात्रा सुगम होने के साथ जाम की समस्या भी कम होगी। देहात की अनदेखी का आरोप लगाया उन्होंने कहा, दिल्ली में रेलवे परियोजनाओं पर 2711 करोड़ खर्च होंगे, नमो ट्रेन और मेट्रो निर्माण को गति देने के लिए फंड आवंटित किए गए हैं। बजट में शहरों के लिए चार हजार इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। इसमें से दिल्ली को भी बसें मिलेंगी। उन्होंने कहा, केजरीवाल सरकार में दिल्ली देहात की अनदेखी की गई थी। के केंद्र सरकार ने लोक सभा चुनाव के बाद गांवों के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपये दिए थे। इस बार बजट में 540 करोड़ रुपये दिए हैं। रेखा गुप्ता सरकार ने भी दो हजार करोड़ रुपये दिए हैं।

मंत्री कपिल मिश्रा ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखी चिट्ठी, पंजाब में हुई एफआईआर को विशेषाधिकार समिति को भेजने का किया अनुरोध

नई दिल्ली। कैबिनेट कपिल मिश्रा ने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को पत्र लिखकर अपने खिलाफ पंजाब में दर्ज एफआईआर मामले में कार्यवाही का अनुरोध किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि इकबाल सिंह द्वारा की गई शिकायत तथा उसके आधार पर जालंधर पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर सहित की गई कार्रवाई संविधान के अंतर्गत संवैधानिक संरक्षण की अवहेलना है तथा यह विधानसभा के विशेषाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। मंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि विधानसभा की कार्यवाही के पर्याप्त रूप से सत्य विवरण के प्रकाशन के संबंध में आपराधिक कार्यवाही आरंभ किया जाना विधायिका की गरिमा, स्वतंत्रता एवं अधिकार में

हस्तक्षेप के समान है। अतः उन्होंने इस पूरे प्रकरण को अध्यक्ष द्वारा संज्ञान में लेकर विशेषाधिकार समिति को संदर्भित करने का अनुरोध किया है, ताकि समुचित जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की जा सके। अपने पत्र में मिश्रा ने संविधान के अनुच्छेद 361ए का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद अथवा राज्य विधानमंडल की कार्यवाही के पर्याप्त रूप से सत्य विवरण के प्रकाशन के लिए किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती, जब तक यह सिद्ध न हो कि उक्त प्रकाशन दुर्भावना से किया गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उक्त अनुच्छेद में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह संवैधानिक संरक्षण संसद अथवा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की गुप्त बैठकों की कार्यवाही से संबंधित रिपोर्टों के प्रकाशन पर लागू नहीं होता। मिश्रा ने पत्र में स्मरण कराया कि गत 6 जनवरी को सदन की कार्यवाही के दौरान नेता प्रतिपक्ष द्वारा सिख गुरुओं के विरुद्ध टिप्पणी किए जाने से सदन में व्यवधान उत्पन्न हुआ था। इसके पश्चात नौ जनवरी को मुख्य सचेतक अभय वर्मा द्वारा सदन को अवगत कराया गया कि जालंधर पुलिस द्वारा उनके विरुद्ध यह आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की गई है कि उन्होंने विधानसभा कार्यवाही का एक कथित रूप से संपादित (डाक्टर्ड) वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बनीं एसआरडीसी अध्यक्ष, पुरानी दिल्ली का पुनर्विकास होगा तेज; समस्याओं से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। ऐतिहासिक पुरानी दिल्ली की चमक लौटेगी साथ ही उसे समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। जिससे यह पर्यटकों, खरीदारों के साथ स्थानीय निवासियों तथा दुकानदारों के लिए बेहतर जगह होने के साथ राष्ट्रीय राजधानी की खूबसूरती को बढ़ाएगा। इसके लिए रेखा गुप्ता सरकार ने कमर कस लिया है। पुरानी दिल्ली के बाजारों तथा कॉलोनियों के विकास का काम तेज होगा। एसआरडीसी के पुनर्गठन की प्रक्रिया तेज इस क्रम में बहुप्रतीक्षित शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम (एसआरडीसी) के पुनर्गठन की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इसकी

अध्यक्ष बनी हैं। दिल्ली सरकार ने इससे संबंधित आदेश सोमवार रात्रि जारी कर दिया है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, आगे इसके सदस्यों की भी घोषणा जल्द की जाएगी। साथ ही अधिकार क्षेत्र तय किए जाएंगे। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार से इसे मजबूती मिलेगी। सीएम ने सितंबर में किया था चांदनी चौक का दौरा पिछले वर्ष 25 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चांदनी चौक का दौरा किया था। जहां उन्होंने स्वच्छता अभियान के तहत सफाई की और इलाके का निरीक्षण करते हुए उसके खराब हालत पर नाराजगी जताई थी। लाल किला के सामने 10 नवंबर को हुए आतंकी धमाके के बाद पुरानी दिल्ली के बाजारों को लेकर गंभीर हुईं। उच्चाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने 19 नवंबर को एसआरडीसी के पुनर्गठन पर आगे बढ़ने की घोषणा की थी। पुनर्गठित एसआरडीसी में हेरिटेज, बाजार और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल होंगे। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, एसआरडीसी के पुनर्गठन से चांदनी चौक, जामा मस्जिद जैसे क्षेत्रों का सुनियोजित विकास होगा, जिसमें एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली सरकार समेत अन्य एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ेगा।

प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बजट-2026 को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति मजबूत करने वाला बताया

बिजनौर(सब का सपना):- जनपद बिजनौर के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग श्री कपिल देव अग्रवाल ने मंगलवार को बजट-2026 के संबंध में प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद किया। यह वार्ता अपराह्न एक बजे कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित की गई। प्रभारी मंत्री ने बजट के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बजट-2026 का मुख्य उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को और अधिक उत्पादक बनाना, वैश्विक

प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति मजबूत करना तथा आर्थिक विकास को तेज और टिकाऊ बनाना है। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने, उन्हें समृद्ध बनाने और सबका साथ, सबका विकास के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है, ताकि समाज के हर वर्ग और क्षेत्र को समान अवसर मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि कौशल विकास, उद्यमशीलता, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर बजट में विशेष जोर दिया गया है, जिससे युवाओं को नए अवसर मिलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौहान, जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला सूचना अधिकारी हर्ष चावला सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मौजूद रहे।

दिल्ली दंगा मामला: कोर्ट ने छह आरोपितों को किया बरी, पुलिस जांच पर उठे गंभीर सवाल

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक अहम मामले में कड़कड़डूमा अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए छह आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत ने पुलिस पर गढ़ी हुई चार्जशीट दाखिल करने और गवाहों के बयान जाली व मनगढ़ंत तरीके से बदलकर आरोपितों को फंसाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीन कुमार सिंह ने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष ने छेड़छाड़ किए गए और बाद में बदले गए बयानों के जरिए झूठा मामला खड़ा करने की कोशिश की। मामला पच्चीस फरवरी 2020 का है, जब न्यू उस्मानपुर स्थित अजीजिया मस्जिद के पास कथित तौर पर दुकानों, घरों और वाहनों में आगजनी की गई थी। इस मामले में प्रेम प्रकाश, इशु गुप्ता, राज कुमार, अमित, राहुल और हरिओम शर्मा को सीसीटीवी फुटेज और कथित चश्मदीदों के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। आरोपितों पर आपराधिक साजिश, दंगा और आगजनी जैसे आरोप लगाए गए थे। अदालत ने पाया कि शुरूआती बयानों में गवाहों ने किसी भी दंगाई की पहचान से इनकार किया था, लेकिन बाद में बदले गए बयानों में आरोपितों की पहचान दिखा दी गई। न्यायाधीश ने इसे जांच तंत्र की गंभीर विफलता बताते हुए कहा कि यदि निगरानी तंत्र सही से काम करता, तो न आरोपितों के अधिकार कुचले जाते और न ही न्याय प्रक्रिया पर सवाल खड़े होते। साथ ही सभी आरोपितों को बरी कर दिया।

दिल्ली में पेट पार्क के खुलने की जगी उम्मीद, पालतू कुत्तों की देखभाल सहित मिलेंगी खास सुविधाएं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पालतु व आवारा कुत्तों व दूसरे जानवरों की देखभाल के लिए बना विशेष पेट पार्क (जानवरों का पार्क) इस साल शुरू होने की उम्मीद जाग गई है। निगम का उद्यान विभाग अब फिर से इसकी मंजूरी का प्रस्ताव सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखकर इस दिशा में कदम आगे बढ़ाएगा। निगम का यह पार्क दिसंबर 2023 में बनकर तैयार हो गया था। बता दें कि 1.5 एकड़ में बने इस पार्क का उद्देश्य पालतू और बेसहारा जानवरों में विशेषतौर पर कुत्ता व बिल्ली के उपयोग के लिए बनाया गया था। जिसमें नागरिक शहर से बाहर जाने या किसी आपात स्थिति होने पर अपने पालतू जानवर को यहां रख सकते हैं। इसके एवज में उन्हें प्रतिदिन के हिसाब से शुल्क चुकाना होगा। 2023 में यह पार्क बन तो गया था लेकिन, उस समय स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से इसका रखरखाव और संचालन का कार्य नहीं दिया जा सका। क्योंकि एमसीडी के नियमों के अनुसार यह कार्य देने का अधिकार निगम की स्थायी समिति का ही है। 2025 में स्थायी समिति का गठन भी हो गया लेकिन, यह मामला निगम ने हाईपावर कमेटी को दे दिया। अब चूंकि इस पार्क के निर्माण हुए काफी समय हो गया है और लगाए गए उपकरणों के खराब होने की पूरी संभावना है। इसे देखते हुए निगम इस प्रस्ताव को फिर सक्षम प्राधिकारी के पास फिर रखने जा रहा है। इसकी मंजूरी मिलने के बाद फिर यह प्रस्ताव स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। ऐसे में साल के मध्य में इस पार्क के शुरू होने की उम्मीद है। कुत्तों को रखने और इलाज तक की है सुविधा निगम ने जो पार्क बनाया है, उसमें पालतू कुत्तों व बिल्लियों के लिए अलग-अलग स्थान बनाए गए हैं। साथ ही अन्य सुविधाएं भी प्रदान करने की योजना है। इसमें कुत्तों व बिल्लियों के इलाज और एंटी रेबीज टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी। साथ ही इसमें पेट पार्टी एरिया, पेट कैफे, और पेट के खाने की वस्तुओं की दुकान भी होगी। वहीं, पेट स्वमिंग का भी इलाका बनाया गया है। इसमें जानवरों को दौड़ने और खोदने व ट्रेकिंग की ट्रैनिंग भी दी जाएगी। इस पार्क का उद्देश्य शहर में कुत्ता व बिल्ली पालने की बढ़ रहे प्रचलन को देखते हुए लिया गया था। कई बार देखने में आता है कि लोग घर से बाहर जाते हैं तो अपने पेट को या तो साथ ले जाते हैं

कुलदीप सेंगर की याचिका पर रोजाना सुनवाई करेगा दिल्ली एचसी ट्रायल कोर्ट ने तय की थी 10 साल की सजा

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में दोषी करार देने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ भाजपा से निलंबित पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की अपील याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट 11 फरवरी से दिन प्रतिदिन सुनवाई करेगा। उक्त निर्देश के साथ कोर्ट ने मामले को 11 फरवरी के लिए सूचीबद्ध कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को 10 साल की सजा सुनाई थी और सजा निलंबित करने की मांग से जुड़ी उनकी याचिका हाई कोर्ट ने बीते दिनों खारिज कर दी थी।

दिल्ली के बदहाल फुटओवर ब्रिज: नए निर्माण पर जोर, पुराने एफओबी की कब सुधरेगी दशा?

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार नए फुटओवर ब्रिज (एफओबी) बनाने जा रही है। मगर पहले से बने फुटओवर ब्रिज पर सरकार का ध्यान नहीं है, जबकि इन्हें इलाज की सख्त दरकार है। कई जगह एफओबी बदहाल हो चुके हैं और जनता परेशान हो रही है। जहां पर लिफ्ट और एस्केलेटर लगे थे वह भी हैं खराब, कई जगह एफओबी के ऊपर बारिश और धूप से बचने के लिए लगाए गए टीन शेड भी टूट चुके हैं है, सीढ़ियों पर भी गड्ढे हो चुके हैं। एफओबी और अंडरपास से क्या होता फायदा? दिल्ली में बढ़ चुके यातायात जाम को देखते हुए 100

के करीब एफओबी और अंडरपास बने हैं जहां से लोग पैदल आवागमन कर सकते हैं और सड़क के इस ओर से उस पर जा सकते हैं। माना जा रहा है कि इससे सड़क दुर्घटनाएं भी कम हो सकती हैं। मगर इनकी हालत खराब होने से कई जगह लोग इनका उपयोग भी नहीं करते हैं। अलग अलग समय पर बनाए गए इस एफओबी में से 12 से अधिक में

दिल्ली में रेखा गुप्ता ने अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति को मयार्दा और सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने बीजेपी कार्यकताओं को अटल जी के आदर्शो का पालन करने की प्रेरणा दी।
रेखा गुप्ता ने अटल जी के जीवन और मूल्यों पर प्रकाश डाला और उन्हें भारतीय राजनीति का एक महान नेता बताया।

लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए गए हैं, ताकि बुजुर्ग और कमजोर लोग सीढ़ियों की जगह इनका उपयोग कर अब आगमन कर सकें। मगर लगाई गईं लिफ्ट अधिकतर और एस्केलेटर खराब हैं। पिछले कुछ सालों से इनकी हालत और बदतर हो गई है। इनके रखरखाव के लिए फंड तक सरकार जारी नहीं कर सकी और ना ही इन पर रखरखाव किया गया। हालांकि घोषणाएं यहां तक होती रहीं कि इनकी निगरानी के लिए सुरक्षा गार्ड लगाए जाएंगे, लेकिन सभी बातें कागजों में ही रह गईं। 8 नए एफओबी बनाने का सुझाव दिल्ली में पिछले एक साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। इस सरकार ने भी पैदल यात्रियों की सुविधाओं को लेकर घोषणाएं की हैं। 8 बनाने की बात की है। कुछ मान पहले सरकार ने सभी विधायकों से अपने-अपने इलाके में नए एफओबी बनाने के लिए सुझाव मांगे थे जिसमें 60 के से अधिक सुझाव नए एफओबी बनाने के सरकार को प्राप्त हुए हैं। इनमें से 8 नए एफओबी बनाने के लिए सरकार की कमेटी ने मंजूरी भी दे दी। ऐसे में सवाल यह जरूर लोगों के मन में उठता है कि पहले से बने एफओबी की दशा कब सुधरेगा। हालांकि सरकार यह बात कह चुकी है कि नए नए एफओबी की दशा सुधारी जाएगी, लेकिन दशा सुधारने को लेकर अभी कोई हलचल दिखाई नहीं पड़ रही है।

25 वर्षीय लापता युवक कामेन्द्र का मिला शव, सनसनी

नांगलसोती/बिजनौर (सब का सपना):- कल शाम से लापता युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की हत्या की गई है, अथवा उसने आत्महत्या की है, पुलिस इस गुत्थी को सुलझाने में लगी हुई है। जिला बिजनौर के थाना नांगल सोती क्षेत्र के रायपुर खास उर्फ कोट सराय निवासी 25 वर्षीय युवक कामेन्द्र का शव मंगलवार सुबह गंगा खादर में मिला। युवक सोमवार शाम से लापता था। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस की प्रारंभिक जांच में जहर खाने से मौत की आशंका जताई जा रही है। कामेन्द्र पुत्र रतिराम सोमवार शाम से घर से लापता था। मंगलवार सुबह उसका शव गंगा खादर में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कामेन्द्र की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का आरोप है कि कामेन्द्र की हत्या की गई है। हालांकि, पुलिस की प्रथम दृष्टया जांच में कामेन्द्र की मौत का कारण जहर खाना बताया जा रहा है ।घटना की सूचना पर नजीबाबाद पुलिस क्षेत्र अधिकारी नितेश प्रताप सिंह, मंडावली थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार और नांगल थाना प्रभारी अमर सिंह राठौड़ अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे ।साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची थी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही हैं।

कांवड़ यात्रा को लेकर रूट प्लान तैयार

बिजनौर (सब का सपना):- कांवड़ यात्रा को लेकर रूट प्लान तैयार हो गया है। यह ट्रैफिक डायवर्जन पांच फरवरी से 15 फरवरी तक लागू रहेगा। भारी वाहनों की एंट्री प्रतिबंधित रहेगी। केवल आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के वाहन रात में 11 बजे से सुबह चार बजे तक चल सकेंगे। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है। पैदल चल रहे कांवड़ियों की यात्रा सुगम हो सके, इसके लिए एसपी अभिषेक झा ने ट्रैफिक डायवर्जन के प्लान को हरी झंडी दे दी है। अब पांच फरवरी से ट्रक, डंपर, डीसीएम, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित सभी भारी मालवाहक वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना होगा। केवल खाद्य सामग्री, पेट्रोलियम, गैस और मेडिकल से जुड़े आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को ही जिले में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इन वाहनों का आवागमन भी रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक थाना मोबाइल की एस्कॉर्ट व्यवस्था में कराया जाएगा। बिजनौर से हरिद्वार जाने वाले वाहन गंगा बैराज होते हुए मुजफ्फरनगर मार्ग से भेजे जाएंगे, जबकि कांवड़ियों के वाहनों को मंडावर, नांगल, मंडावली और भागूवाला होते हुए हरिद्वार की ओर भेजा जाएगा। बिजनौर से मंडावर-बालावाली-लक्सर मार्ग पर भारी और मध्यम वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। कोटद्वार और पौड़ी की तरफ जाने वाले वाहन बिजनौर से फोरलेन हाईवे से होते हुए नजीबाबाद और नजीबाबाद बाईपास के जरिए कोटद्वार की तरफ जाएंगे। हरिद्वार को कोटद्वार जाने वाले हल्के वाहन समीपुर नहर पटरी से निकाले जाएंगे। जबकि हरिद्वार से कोटद्वार जाने वाले भारी वाहन मुजफ्फरनगर के रास्ते बिजनौर आएंगे और किरतपुर नजीबाबाद होते हुए कोटद्वार की तरफ जाएंगे। मुरादाबाद, काशीपुर और मुजफ्फरनगर की दिशा से आने-जाने वाले भारी वाहनों को हापुड़, संभल, अनूपशहर के गुजरने वाले वैकल्पिक मार्गों से निकाला जाएगा। डायवर्जन के दौरान ट्रक, डंपर, डीसीएम, ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य भारी वाहनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा जबकि खाद्य सामग्री, गैस, पेट्रोलियम व मेडिकल से जुड़े आवश्यक वाहन रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक चल सकेंगे।

चांदपुर में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

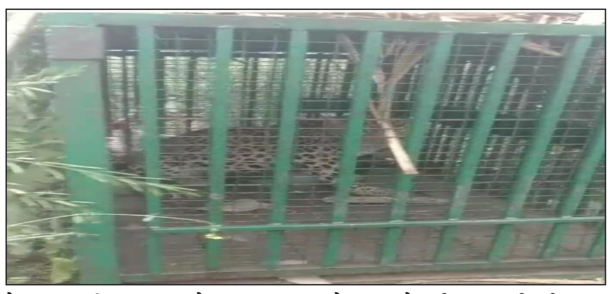

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव बवनपुरा में पिछले कई दिनों से गुलदार दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ था। लोगों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए दो दिन पूर्व बवनपुरा के जंगल में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। मंगलवार की सुबह गुलदार उसी पिंजरे में कैद हो गया, जिससे गांव और आसपास के क्षेत्र में राहत की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि गुलदार के लगातार जंगल और खेतों के आसपास दिखने से भय बना हुआ था। इसको लेकर गांव वालों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने की मांग की थी। वन विभाग ने ग्रामीणों की आशंका को गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्रवाई की, जिसका परिणाम आज सामने आया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गुलदार का सुरक्षित रेस्क्यू किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि गुलदार को सभी आवश्यक औपचारिकताओं के बाद सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा जाएगा, ताकि वह प्राकृतिक आवास में बिना किसी खतरे के रह सके।

ग्रामीणों ने वन विभाग की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते गुलदार के पकड़े जाने से किसी बड़ी अनहोनी की आशंका टल गई।

नगीना नगर पालिका ने 2501 जरूरतमंदों को वितरित किए कंबल

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कड़ाके की ठंड से गरीब व असहाय लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से नगीना नगर पालिका परिषद द्वारा मंगलवार को 2501 कंबलों का वितरण समारोहपूर्वक किया गया। यह कार्यक्रम नगर पालिका संघ के जिला अध्यक्ष शाहनवाज खलील के नेतृत्व में वार्ड सभासदों के सहयोग से सम्पन्न हुआ। नगर पालिका परिषद की पूर्व बोर्ड बैठक में कंबल वितरण का प्रस्ताव पारित किया गया था। इसके तहत मंगलवार सुबह 10 बजे एम.एम. इंटर कॉलेज के मैदान में भव्य वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जरूरतमंदों तक सुव्यवस्थित तरीके से कंबल पहुंचाने के लिए प्रत्येक वार्ड के अनुसार कुल 25 काउंटर लगाए गए, जहां सभासदों ने अपने-अपने वार्ड के गरीब, असहाय, वृद्ध, वृद्धाओं, विधवाओं और दिव्यांग लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 7070 लाभार्थियों को चिन्हित कर वितरण किया गया। मुख्य अतिथि शाहनवाज खलील ने सभी काउंटरों पर पहुंचकर स्वयं जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद असहाय न रहे और मानवीय संवेदना के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचे। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अरशद मसूद, डॉ. दाऊद मुल्तानी, डॉ. अंजू बिश्नोई सहित वार्ड सभासद कपिल पवार, रोहित बिश्नोई, बृजमोहन उर्फ बाली बिश्नोई, गोपाल शर्मा, चांद अहमद, मोहम्मद तालिब, रामकुमार यादव समेत सभी सभासदगण मौजूद रहे। इसके अलावा पालिका स्टाफ के सदस्य असलम अहमद, संदीप वाल्मीकि, धीरज राय वर्मा, इफ्तिखार, नरेश कुमार, रोहित कुमार, महेश उर्फ दारा, बिट्टू कुमार, अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कंबल वितरण से जरूरतमंदों में राहत और संतोष देखने को मिला, वहीं नगर पालिका की इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की।

बस स्टैंड और मंडी निर्माण के लिए सांसदों की पहल, फैसल वारसी बने कड़ी

कई लोकसभा क्षेत्रों के सांसदों ने स्योहारा के लिए उठाई साझा मांग

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा में लंबे समय से लंबित पड़े विकास कार्यों को लेकर अब राजनीतिक स्तर पर गंभीर पहल तेज हो गई है। स्योहारा नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी के आग्रह पर अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों के कई सांसदों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर स्योहारा में प्रस्तावित बस स्टैंड, सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। इन सांसदों में मुरादाबाद से सांसद रुचि वीरा, संभल से सांसद जिया उर रहमान बर्क, सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद, नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद और रामपुर से सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी शामिल हैं। सभी सांसदों ने अपने पत्रों में यह उल्लेख किया है कि नगर पालिका परिषद स्योहारा द्वारा संबंधित सरकारी भूमि पर विकास कार्यों के लिए विधिवत प्रस्ताव पारित कर जिला प्रशासन और राजस्व विभाग को भेजे जा चुके हैं, बावजूद इसके भूमि पर अवैध कब्जे का प्रयास किया जा रहा है, जिससे जनहित की महत्वपूर्ण परियोजनाएं बाधित हो रही हैं।

सांसदों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रस्तावित सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से सुरक्षित कराते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए जाएं, ताकि बस स्टैंड, सब्जी-फल मंडी, अंडरग्राउंड पार्किंग और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो सके। पत्रों में यह भी रेखांकित किया गया है कि स्योहारा नगर में स्थायी बस स्टैंड के अभाव में आम जनता को यातायात जाम, अव्यवस्थित परिवहन और असुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी को इन सभी प्रयासों के पीछे मुख्य प्रेरक माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर वे स्योहारा के विकास के लिए लगातार संघर्षशील रहे हैं और शासन-प्रशासन के स्तर पर मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं। सांसदों द्वारा एकजुट होकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखा जाना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि स्योहारा के विकास को लेकर अब राजनीतिक सहमति बन रही है। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री स्तर से हस्तक्षेप के बाद इन बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं को गति मिलेगी और स्योहारा नगर को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी उत्तराखंड पुलिस ने की संयुक्त बैठक

बिजनौर (सब का सपना):- महाशिवरात्रि के अवसर पर चैत्र माह में निकलने वाली कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस लाइन सभागार, बिजनौर में एक अहम समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक बिजनौर अभिषेक झा ने की। इसमें उत्तराखंड पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, उत्तराखंड सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के जिलों के पुलिस अधिकारी शामिल हुए। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, रूट डायवर्जन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों शिवभक्त जनपद बिजनौर से होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना होंगे, ऐसे में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए पहले से ठोस योजना तैयार की गई है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कहा कि यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और संवेदनशील व भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। प्रमुख चौराहों, मार्गों और शिविर स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी, जबकि आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल और कंट्रोल रूम को भी सक्रिय रखा जाएगा। बैठक में शामिल अधिकारियों ने आपसी समन्वय को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पुलिस मिलकर कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार संपर्क में रहेंगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो।

नजीबाबाद में 'खनन प्रीमियर लीग' ! परमिशन की आड़ में दौड़ रहे मौत के डंपर, सिस्टम पर उठे बड़े सवाल

ओवरलोड ट्रकों से जर्जर सड़कों पर बढ़ा खतरा, कांवड़ यात्रा से पहले सुरक्षा पर मंडराया संकट

बिजनौर/ नजीबाबाद (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र इन दिनों मानो "खनन प्रीमियर लीग" का हाई वोल्टेज मैदान बन गया है, जहां ओवरलोड डंपर और जेसीबी मशीनें चौके छक्के की तरह बेखौफ दौड़ती नजर आ रही हैं। दिन हो या रात सड़कों पर मिट्टी से लदे ट्रकों की कतारें साफ बता रही हैं कि नियम-कायदों को यहां खुलेआम 'क्लीन बोल्ड' किया जा रहा है। सबसे चौकाने वाली बात यह है कि यह पूरा खेल पुलिस और राजस्व विभाग की नाक के नीचे चल रहा है, लेकिन कार्रवाई अब तक डगलाउट' में ही बैठी दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ईंट-भट्टीं की परमिशन को ढाल बनाकर अवैध खनन का बड़ा नेटवर्क खड़ा कर दिया गया है। कागजी में भट्टों के लिए सीमित मिट्टी उठान की अनुमति है, मगर हकीकत में रात के अंधेरे से लेकर दिन की रोशनी तक खनन का 'ओपन टूर्नामेंट' जारी है। सवाल उठ रहा है क्या परमिशन की आड़ में पूरा सिस्टम ही 'मैच फिक्स' हो गया है? हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। उधर हरिद्वार से कांवड़ यात्रा शुरू हीने वाली है। पहले से जर्जर सड़कों को हालिया बारिश ने और खोखला कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद भारी-भरकम डंपरों की रफ्तार पर कोई ब्रेक नहीं लग रहा। लोगों का कहना है कि अगर यही हाल रहा, तो कांवड़ यात्रा के दौरान बड़े हादसों से इनकार नहीं किया जा सकता। श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। चिंता की बात यह भी है कि पूर्व में इन मिट्टी से लदे ओवरलोड डंपरों की चपेट में आकर कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर मानो कोई असर नहीं पड़ा। हादसों की दर्दनाक यादें अभी भी स्थानीय लोगों के जहन में ताजा है, फिर भी सिस्टम की रफ्तार सुस्त ही नजर आती है। मोटा महादेव में हुई बैठक में जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान द्वारा सख्ती के निर्देश दिए जाने की चर्चा जरूर है, मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। तहसील स्तर के अधिकारियों पर इन आदेशों का असर फिलहाल 'जीरो' नजर आता है। सूत्र बताते हैं कि नजीबाबाद के पुकार टाकीज के पास बने तालाब, शहर की कई कालोनियों और मंडावती थाना क्षेत्र के श्यामीवाला गांव में अवैध खनन पड़ल्ले से जारी है। आरोप तो यहां तक है कि मोटी रकम लेकर इस काले कारोबार को संरक्षण दिया जा रहा है। हालांकि इसकी भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन लगातार दौड़ते डंपर कई सवाल जरूर खड़े कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशणसन को फोन पर शिकायतें दी जाती है, मगर आभार टाल-मटोल कर दी जाती है। पहले किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने धरना देकर विरोध जताया था, लेकिन कार्रवाई अब भी राम भरोसे ही दिखाई देती है। सबसे बड़ा खतरा ओवरलोड डंपरों की तेज रफ्तार से है। गांवों की सड़कों पर चलते बच्चों बुजुर्गों और राहगीरों की जान हर पल जोखिम में बताई जा रही है। धूल, शोर और टूटती सड़कों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है, जिससे इलाके में डर और आक्रोश दोनों का माहौल है। अब सबसे बड़ा सवाल कांवड़ यात्रा को लेकर उठ रहा है। खराब सड़कों, बदहाल व्यवस्था और सुस्त सिस्टम के बीच क्या इस बार कांवड़ यात्रा सुचारु रूप से निकल पाएगी, या फिर लापरवाही भारी पड़ेगी? इसका जयाव तो आने वाला वक्त ही देगा, लेकिन फिलहाल हालात चिंता बढ़ाने वाले जरूर हैं। ग्रामीण अब सीधा सवाल पूछ रहे है जब प्रशासन अवैध खनन पर सख्ती के बड़े-बड़े दावे करता है, तो आखिर श्यामीवाला और आसपास के इलाकों में यह धंधा किसके संरक्षण में फल-फूल रहा है? जिम्मेदार अधिकारी अनजान है या फिर जानकर भी चुप्पी साधे हुए हैं? अब नजर इस बात पर टिकी है कि खबर सुर्खियों में आने के बाद प्रशासन नींद से जागेगा या फिर ईंट-भट्टों की परमिशन की आड़ में डंपरों की यह नॉन-स्टॉप रेस' पूं ही चलती रहेगी। फिलहाल नजीबाबाद की गलियों से लेकर चौपालों तक एक ही सवाल गूंज रहा है "खनन पर लगेगा ब्रेक या सिस्टम फिर करेगा वेट?"

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई सुस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

ईंट-भट्टों की परमिशन के नाम पर अवैध खनन के आरोप दिन-रात फरार्टा भरते ओवरलोड डंपर और जेसीबी हालिया बारिश से टूटी सड़कों पर हादसों का खतरा कांवड़ यात्रा से पहले अद्धालुओं की सुरक्षा पर सवाल पहले भी डंपरों की बपेट में जा चुकी हैं कई जानें ग्रामीणों की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप।

प्रशासन से ग्रामीणों के सीधे सवाल

परमिशन सीमित मिट्टी की, फिर खनन इतना ज्यादा कैसे? सख्ती के आदेश के बाद भी जमीनी असर क्यों नहीं? हादसों के बाद भी सिस्टम क्यों नहीं जाग रहा? कांवड़ यात्रा से पहले क्या सड़कों और ट्रैफिक पर लगेगा ब्रेक?

एसबीआई शाखा में कुम्बल काटकर चोरी का प्रयास

बिजनौर/राजा का ताजपुर (सब का सपना):- एसबीआई बैंक के पीछे की दीवार में कुम्बल लगाकर बैंक के भीतर घुसकर चोर ने सीसीटीवी कैमरों व चेतावनी सायरन के तार काट कर चोरी का प्रयास किया। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष ने पुलिस बल के साथ मौके परपहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। स्थानीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में सोमवार/मंगलवार के बीच की रात कुम्बल लगाकर चोरी का प्रयास किया। बैंक में कुम्बल कटने की सूचना पर शाखा प्रबंध शैलेन्द्र प्रताप सिंह तत्काल शाखा में पहुंचे तो देखा कि चोर ने शाखा के भीतर प्रवेश करके यूपीएस सर्वर बंद कर दिया तथा सीसीटीवी कैमरों और चेतावनी सायरन के तार काट दिए। हालांकि एक कैमरा उसकी नजर से बच गया। जिसमें वह कैद हो गया। शाखा प्रबंधक की सूचना पर क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह व थानाध्यक्ष विकास कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। शाखा प्रबंधक ने बताया कि शाखा के सभी कमरों में चोर के प्रवेश करने के संकेत मिले हैं जबकि स्ट्रांग रूम पूरी तरह सुरक्षित है और बैंक को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान में जुटी है। आसपास लगे अन्य कैमरों की भी जांच की जा रही है।

केंद्रीय बजट 2026-27 पर उमड़ा जनविश्वास, मोदी सरकार की नीतियों को महिलाओं का समर्थन

रेवाड़ी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत 'केंद्रीय बजट 2026-27' के जन-कल्याणकारी प्रावधानों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से रेवाड़ी जिले के गांव खिजुरी में एक 'महिला सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने अत्यंत उत्साह और गौरव के साथ हिस्सा लिया। सम्मेलन की मुख्य वक्ता के रूप में बीजेपी जिला अध्यक्ष प्रखर वक्ता डॉ. वंदना पोपली ने शिरकत की। उनके साथ मंच पर सह बजट टोली की जिला सहसंयोजक नेहा शर्मा, भाजपा जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष विनिता पीपल एवं महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृपा जैमिनी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. वंदना पोपली ने बजट के तकनीकी पहलुओं को सरल भाषा में महिलाओं के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष का जेंडर बजट रिकॉर्ड 5 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया है। यह प्रधानमंत्री मोदी की 'महिला नेतृत्व वाले विकास' की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. पोपली ने विशेष रूप से बजट में घोषित 'शी-मार्ट' योजना की सराहना की। उन्होंने कहा

कि "अब हमारी गांव की बहनें केवल कर्ज लेने वाली नहीं, बल्कि व्यापार की मालकिन बनेंगी। 'शी-मार्ट' के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को एक बड़ा ब्रांड और सीधा बाजार मिलेगा।" सम्मेलन के दौरान डॉ. वंदना पोपली ने बजट की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा "यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के सपनों को पंख देने वाला दस्तावेज है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'लखपति दीदी' योजना की सफलता को अगले स्तर पर ले जाते हुए 'एंटरप्राइज ओनरशिप' की जो बात कही है, वह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल कर रख देगी।"उन्होंने आगे कहा "निर्मला द्वारा हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी। अब दूर-दराज के गांवों की बेटियों को उच्च शिक्षा और विज्ञान व तकनीक की पढ़ाई के लिए रहने की चिंता नहीं करनी होगी। यह बजट महिलाओं को 'सुरक्षा, सुविधा और स्वावलंबन' की त्रिवेणी प्रदान करता है। कार्यक्रम में उपस्थित बजट टोली की जिला सह संयोजक नेहा शर्मा ने भी विचार रखे। उन्होंने बताया कि कैसे मुद्रा योजना और लखपति दीदी पहल ने रेवाड़ी की हजारों महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाई है। सम्मेलन में महिलाओं को बजट की उन प्रमुख योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई जो सीधे तौर पर ग्रामीण विकास, हस्तशिल्प और कृषि से जुड़ी महिलाओं को लाभान्वित करेंगी।

प्रदेश में आवश्यकतानुसार नए अस्पताल व स्वास्थ्य संस्थान खोले और अपग्रेड किए : स्वास्थ्य मंत्री

रेवाड़ी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश में आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यकतानुसार नए अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थान खोले जा रहे हैं तथा मौजूदा संस्थानों को अपग्रेड किया जा रहा है। राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि रेवाड़ी जिले के गांव लिसान तथा गांव करावरा मानकपुर में एक-एक राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय खोलने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन दोनों आयुर्वेदिक औषधालयों पर प्रत्येक पर लगभग 50 से 60 लाख रुपये की लागत आने का अनुमान है। इनके स्थापित होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में एलोपैथी के साथ-साथ आयुर्वेद, योग एवं अन्य आयुष सेवाओं के विस्तार पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें, जिससे लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में न जाना पड़े। आने वाले समय में भी आवश्यकता के अनुसार नए स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना और मौजूदा संस्थानों के सुदृढ़ीकरण का कार्य लगातार जारी रहेगा।

मनरेगा कानून को खत्म करने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी प्रदर्शन कर ज्ञापन देगी : सुभाष छाबड़ी

रेवाड़ी। भाजपा सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) कानून को खत्म करने की साजिश रच रही है। यह सिर्फ गरीबों के हक पर हमला नहीं है, बल्कि महात्मा गांधी के नाम, विचारों और मूल्यों को मिटाने के प्रयासों को खत्म करने का राजनीतिक प्रयास है। जिसका कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। जिला अध्यक्ष ग्रामीण सुभाष छाबड़ी , जिला अध्यक्ष शहरी प्रवीण चौधरी व जिला कॉर्डिनेटर अविनाश यादव के नेतृत्व में इस जनविरोधी कृत्य के खिलाफ जिला उपायुक्त दफ्तर रेवाड़ी के सामने सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस धरने पर पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, सेवा दल, महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, सेना प्रकोष्ठ, एआईसीसी सदस्य, पीसीसी डेलिकेट्स, अनुसूचित जाति (सैल) , ओबीसी (सैल), लीगल (सैल), राजीव गाँधी मंच, केसीसी (सैल),व्यापारी (सैल), इनटेक, सभी पद अधिकारियों, सभी कांग्रेस नेता व कांग्रेस कार्यकर्ता से धरने पर पहुंचने की अपील की है।

टीटीसी में कृषि दर्शन प्रदर्शनी 14 फरवरी से - डॉ. मुकेश जैन

हिसार / सिरसा रोड़ स्थित उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी केंद्र), हिसार में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कृषि प्रदर्शनी का तीन दिवसीय आयोजन 14 फरवरी से 16 फरवरी तक किया जा रहा है। जिसमें किसान ही नहीं आमजन को भी मिलेगी कृषि से सबंधित नई व आधुनिक तकनीकों की जानकारी। टीटीसी के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि कृषि प्रदर्शनी की तैयारियां जोरो-शोरों से चल रही है। लगभग 285 कम्पनियां इस मेले में शिरकत ले रही है। कई नए ट्रैक्टरों का उद्घाटन कृषि मेले में होगा। बीज, खाद, सोलर, बैंक, मशनरी, लोन, बागबानी आदि की कम्पनियां आ रही है। उन्होनें बताया कि मुख्य अतिथि के तौर पर भागीरथ चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री भारत सरकार शिरकत करेंगें। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम सिंह राणा, कृषि मंत्री हरियाणा सरकार व विशिष्ट अतिथि के तौर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव एस. रूकमणी मौजूद रहेंगी। टीटीसी के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि इस कृषि दर्शन प्रदर्शनी में बहुत कुछ नया है किसानों व आमजन को नई-नई तकनीकों की जानकारी मिलेगी। किसानों के मनोरंजन के लिए तीनों दिन हरियाणा के माने हुए गायकार व कलाकार सांस्कृतिक एवं लोक-संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करेगें। इस प्रर्दशनी के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों पर लाइव प्रर्दशनों पर व्यापक ध्यान दिया जायेगा नव विकसित कृषि मशीनरी कृषि मशीनीकरण में ड्रोन का उपयोग,ग्रीन हाऊस, उन्नत बागवानी, पम्प सोलर, उन्नत बीज सुक्ष्म सिचांई प्रौद्योगिकी / मशीनीकरण,जैविक खेती प्रौद्योगिकी / मशीनीकरण कृषि लोन व सब्सिडी की जानकारी पराली प्रबंधन टीटीसी के निदेशक डॉ. मुकेश जैन ने बताया कि इस कृषि दर्शन प्रर्दशनी के माध्यम से हमारे आस-पास के किसानों बहुत ही लाभ पहुंचता है। वे नई जानकारियां हासिल करते है और उसे अपने खेतों में इस्तेमाल करते है। अपनी पैदावार तो बढ़ाते ही है हमारे देश के विकास में अपना योगदान प्रदान करते है। मेले के बाद भी हमारे पास बहुत से किसान आते है और कृषि प्रदर्शनी के लिए आभार व्यक्त करते है। कृषि प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले किसान व आमजन के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था जैसे कि पानी, पार्किंग, खाने व अन्य प्रकार की सभी व्यस्थाओं खास ध्यान रखा है। मेले में अधिक से अधिक जानकारियों को प्राप्त करें। मेले में किसानों ने कृषि सम्बंधित लोन की सुविधा, खेती मशीनरी की जानकारी, मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ाने की जानकारी, खेती समस्याओं की जानकारी व उनके समाधान, विशेष छूट व सब्सिडी का प्रावधान, उन्नत बीज, कीटनाशक व उवर्रक की जानकारी, आधुनिक व नई तकनीक वाले कृषि यंत्रों की जानकारी के अलावा इरीगेशन, ग्रीन हाऊस, पम्प व सोलर तकनीक की जानकारी भी उपलब्ध करवाई जायेगी। किसान कैसे कम लागत में कम भूमि पर अधिक पैदावार करें, इस बारे में उसे नई तकनीकों से रूबरू करवाया जोयगा।

जिला स्तरीय मासिक पीएनडीटी तथा एनकोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित

हिसार / लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार में मंगलवार को उपायुक्त महेंद्र पाल ने की अध्यक्षता में पीएनडीटी तथा एनकोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने ड्रग कंट्रोल अधिकारी को मेडिकल स्टोर का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि इन पर बिना चिकित्सा पर्ची के ऐसी दवाइयों न बिके, जिनका प्रयोग नशे के लिए किया जा सकता है।` यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जिले के सभी मेडिकल, सीसीटीवी कैमरे लगे हों ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें जांचा जा सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार कर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं इसलिए शिक्षण संस्थानों में नशे की रोकथाम के लिए एहतियातन सभी कदम उठाए जाएं। युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखना एनकॉर्ड कमेटी के सभी अधिकारियों की यह प्राथमिकता होनी चाहिए। विभिन्न स्कूलों में जागरूकता एवं काउंसलिंग के लिए विशेष कैंप आयोजित किए जाएं। जिले में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों, डी-एडिक्शन सेंटर्स की स्थिति, मेडिकल स्टोर के निरीक्षण तथा विद्यालयों व खेल अकादमियों में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए व जिले में नशे की डिमांड व सप्लाई पर रोक लगाई जाए। जिले में नशे से सबसे ज्यादा प्रभावित गांवों व हॉटस्पॉट की मैपिंग कर प्रत्येक केस की समीक्षा की जाए। बैठक में उपायुक्त महेंद्र पाल को अवगत कराया गया कि जिले के प्रत्येक उपमंडल में एसडीएम की निगरानी में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत लगातार गतिविधियां की जा रही हैं। सभी स्कूलों में शिक्षकों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक कर रहे हैं। उपायुक्त ने जिला न्यायवादी कार्यालय के प्रतिनिधियों को भी न्यायालय में नशे से संबंधित मामलों की मजबूती से पैरवी करने की हिदायत दी ताकि नशे के सौदागरों को कड़ी सजा दिलाई जा सके। उन्हें अवगत करवाया गया कि जनवरी माह में नशे से संबंधित दो मामलों में आरोपियों को सजा दिलवाई गई है। जिला स्तरीय मासिक पीएनडीटी समीक्षा बैठक के दौरान जिले में लिंगानुपात की स्थिति, पीएनडीटी और एमटीपी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई, निरीक्षणों की समीक्षा तथा जनजागरूकता अभियानों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।हाल ही में हुई एक सफल रेड पर उपायुक्त महेंद्र पाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की टीम की सराहना की और कहा कि इस दिशा में निरंतर कार्यवाही होनी चाहिए।

सरकार के तय मापदंडों के आधार पर दिया जाए दयालु-2 योजना का लाभ : डीसी

- -बेसहारा पशुओं के हमले से मृत्यु, स्थाई दिव्यांगता या घायल होने पर मिलेगी आर्थिक सहायता -डीसी अभिषेक मीणा ने
- दयालु-2 योजना के क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय कमेटी के साथ की बैठक

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) को लेकर मंगलवार को डीसी अभिषेक मीणा ने जिला स्तरीय कमेटी के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीसी ने कि दयालु-2 योजना का उद्देश्य बेसहारा पशुओं के हमले से मृत्यु, स्थाई दिव्यांगता या घायल होने पर पीड़ित या परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना का लाभ तय मापदंडों के अनुसार पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा शुरू की गई दयालु-2 योजना एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा कवच है। इसके तहत किसी सार्वजनिक स्थान पर जैसे गाय, बैल, कुत्ता, नीलगाय, गधा, खच्चर आदि पशुओं के काटने या हमले के कारण होने

वाली मृत्यु, स्थायी दिव्यांगता या गंभीर चोट की स्थिति में प्रदेश सरकार आर्थिक सहायता प्रदान करती है। हरियाणा सरकार की इस जनहितैषी योजना को धरातल पर उतारने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी आपसी तालमेल के साथ काम करें। डीसी ने बताया कि योजना को सरल बनाने के लिए सरकार ने दयालु-2 योजना पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल के माध्यम से पीड़ित परिवार सीधे ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और सहायता राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी। उन्होंने आह्वान किया कि यदि किसी परिवार के साथ ऐसी कोई अप्रिय घटना घटती है, तो वे 90 दिन के भीतर पोर्टल https://dapsy.finhry.gov.in/ पर पंजीकरण कर सकता है जिससे कल्याणकारी योजना का लाभ उन्हें समय पर मिल सके। योजना की प्रमुख विशेषताएं और पात्रता डीसी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए प्रार्थी हरियाणा का निवासी होना चाहिए और इसके लिए परिवार पहचान पत्र अनिवार्य है।

इस योजना के लिए पारिवारिक आय की कोई शर्त नहीं रखी गई है। इसी प्रकार आयु की कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं है। घटना हरियाणा में ही हुई हो। अन्य दस्तावेजों के लिए वेबसाइट पर विजिट करें। बैठक में एसडीएम सुरेश कुमार, डीडीपीओ एचपी बंसल, जिला सांख्यिकी अधिकारी देवीदास व उप सिविल सर्जन डा. भंवर सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

स्वस्थ शरीर ही जीवन का मुख्य आधार : डॉ शिखा रोहिल्ला

शिक्षण संस्थानों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोगो को किया जा रहा जागरूक

बेरी, (झज्जर)। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिक्षण संस्थानों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोगो को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को नोडल अधिकारी डॉ शिखा रोहिल्ला के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डीघल की टीम द्वारा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भापडोदा में शिविर आयोजित कर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अनेक शारीरिक रोगों तथा उनके बचाव के संबंध में बच्चों को अवगत कराया। इस दौरान डॉ शिखा रोहिल्ला ने कहा है स्वस्थ शरीर ही जीवन का मुख्य आधार है। उन्होंने बच्चों को दाँतो की समस्याओं से तथा डॉ अरुण कुमार के द्वारा संपुर्ण स्वाथ्य के लिए प्रेरित किया

गया। वहीं मोनिका ऑप्टोमेट्रिस्ट के द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया । डॉ तरुण कुमार ने बच्चों को एनीमिया के बारे जागरूक करते हुए बताया गया कि एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं या हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है, जिससे अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुँच पाती। यह आमतौर पर आयरन, विटामिन बी की कमी, अत्यधिक रक्तस्राव या आनुवंशिक कारणों से होता है। इसके प्रमुख लक्षणों में थकान, कमजोरी, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना शामिल हैं। एनीमिया के मुख्य लक्षण : अत्यधिक थकान और कमजोरी महसूस होना।त्वचा, जीभ और आंखों के अंदरूनी हिस्से का पीला पड़ना।सांस लेने में तकलीफ (विशेषकर शारीरिक गतिविधि के दौरान)।चक्कर आना, सिरदर्द या बेहोशी महसूस होना।हाथ-पैर ठंडे पड़ना।अनियमित या तेज दिल की धड़कन। एनीमिया के कारण : आयरन की कमीः यह सबसे आम कारण है, जो खराब पोषण या शरीर में आयरन के खराब अवशोषण से होता है।रक्त की कमी : मासिक धर्म में अधिक रक्तस्राव, पेप्टिक अल्सर या कोलन कैंसर के कारण।विटामिन की कमीः विटामिन बी 12 और फोलेट की कमी।बीमारियाँः किडनी की बीमारी, कैंसर, या सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक विकार। एनीमिया का इलाज और बचाव : आहारः आयरन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे पालक, हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर, अनार, दालें, और खजूर शामिल करें।विटामिन सी : आयरन के अवशोषण को बढ़ाने के लिए नींबू, संतरा जैसे विटामिन सी युक्त फल खाएं।सप्लीमेंट्सः डॉक्टर की सलाह पर आयरन या विटामिन की गोलियां लें।जांचः समय पर ब्लड टेस्ट करवाएं। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य अनीता और सभी अध्यापकों ने विशेष सहयोग किया।

लुवास के डॉ. जतिन खुरमा को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के पैरा वेटरनरी साइंसेज संस्थान में कार्यरत वेटरनरी सर्जन डॉ. जतिन खुरमा को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित ओपन, डिस्टेंस, डिजिटल एवं ब्लेंडेड लर्निंग में उभरते रुझानों एवं चुनौतियों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग अंतर्गत डिस्टेंस एवं सतत शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश से लगभग 250 शिक्षाविदों, शोधकताओं एवं शिक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. जतिन खुरमा को यह सम्मान उनके शोध पोस्टर वेटरनरी एजुकेशन में प्रैक्टिकल और थ्योरिटिकल लर्निंग पर स्मार्ट क्लासरूम इंटीग्रेशन का असर के लिए प्रदान किया गया। यह शोध सम्मेलन के मुख्य थीम एरिया ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल्सः बेस्ट प्रैक्टिसेज एंड केस स्टडीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया था। इस अध्ययन में वेटरनरी शिक्षा में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल बोर्ड एवं ब्लेंडेड लर्निंग अप्रोच की प्रभावी भूमिका को रेखांकित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को जटिल सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक विषयों को अधिक सरल एवं व्यावहारिक रूप में समझने में सहायता मिलती है। लुवास, हिसार में किए गए इस शोध में डिजिटल लर्निंग टूल्स की उपयोगिता पर विशेष जोर दिया गया है, जो कक्षा शिक्षण और हैंड्स-ऑन वेटरनरी प्रशिक्षण के बीच की दूरी को कम करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपरांत डॉ. जतिन खुरमा ने लुवास के कुलपति सचिवालय में कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने अपने शोध कार्य, पोस्टर प्रस्तुति एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्राप्त अनुभवों की जानकारी साझा की।

फतेहाबाद सीआईए की बोलेरो की हिसार में कैंटर से टक्कर : हेड कांस्टेबल की मौत

हिसार / फतेहाबाद पुलिस की सीआईए टीम की बोलेरो गाड़ी को हिसार के गांव ढंढूर के पास आयशर कैंटर के ड्राइवर ने टक्कर मार दी। इससे गाड़ी में सवार हेड कांस्टेबल की मौत हो गई जबकि ड्राइवर घायल हो गया। घायल को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में दाखिल करवाया गया है। घनी धुंध के कारण यह टक्कर हुई बताई गई है। सूचना पाकर फतेहाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। शव को हिसार के सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सदर थाना हिसार पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना के बाद कैंटर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इस पूरे घटनाक्रम को जोमेटो कर्मचारी ने देखा। उसने कैंटर ड्राइवर का पीछा भी किया, लेकिन वह फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, सीआईए टीम में तैनात ईएचसी शमशेर मुखबिरी मिलने के बाद जांच के सिलसिले में ड्राइवर जसवीर सिंह के साथ हिसार की तरफ गए थे। वह सुबह करीब 3 बजे हिसार से वापस फतेहाबाद लौट रहे थे। इसी दौरान गांव ढंढूर के पास कैंटर से टक्कर हो गई। टक्कर लगने से गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, गाड़ी में अगली सीट पर बैठे शमशेर सिंह की मौत हो गई जबकि ड्राइवर जसवीर सिंह घायल हो गया। सूचना मिलते ही सीआईए इंचार्ज वेदपाल व अन्य सहकर्मी घटनास्थल की ओर रवाना हुए।

गुरुद्वारा डेरा भाई जीवनसिंह, मौहल्ला डोगरान का 78वां सालाना समागम 6 से

हिसार / गुरुद्वारा डेरा भाई जीवनसिंह, मौहल्ला डोगरान (नजदीक एस.के.सीनियर सैकेंडरी स्कूल) में सत भाई गोला सत भाई लच्छीराम के 78वें सालाना समागम के उपलक्ष्य में 6 से 8 फरवरी तक महान कीर्तन समागम का आयोजन किया जाएगा। गुरुद्वारा के गद्दीनशीन भाई चरणजीत सिंह ने बताया कि 7 फरवरी को रात्रि 8 से 11:30 बजे तक व 8 फरवरी को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक कीर्तन किया जाएगा। दोनों दिन भाई हरविन्द्र सिंह दिल्ली वाले व बाबा सरबजीत सिंह खालसा दिल्ली वाले फौज अकाल का जत्था गुरु चरणों से जोड़ते हुए कीर्तन करेंगे। उन्होंने बताया कि समापन अवसर पर हरियाणा सरकार के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा व केबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा मुख्यातिथि के रुप में उपस्थित होंगे। अध्यक्षता नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली करेंगे। अरदास के बाद गुरु का अटूट लंगर चलाया जाएगा।

इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने ली हिसार में कार्यकताओं की बैठक

हिसार / इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को हिसार स्थित ताऊ देवी लाल सदन में आयोजित की गई। जिसमे मुख्यतिथि के रूप में इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला पहुंचे वहीं अध्यक्षता जिला प्रधान सतपाल काजला ने की।बैठक को संबोधित करते हुए इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय सिंह चौटाला ने प्रदेश की बीजेपी सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जननायक चौधरी देवीलाल द्वारा बुजुर्गों के स्वाभिमान और सम्मान के लिए शुरू की गई बुढ़ापा पेंशन योजना को वर्तमान सरकार ने आय सीमा और जटिल नियमों के नाम पर कमजोर कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के लगभग 75 हजार बुजुर्ग पेंशन से वंचित हो चुके हैं। अभय सिंह चौटाला ने सरकार से मांग की कि नवंबर 2026 से सभी पात्र बुजुर्गों को ₹3200 प्रतिमाह बुढ़ापा पेंशन प्रदान की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इन मांगों को अनदेखा किया तो 20 फरवरी को पंचकूला में राज्य-स्तरीय विशाल और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी। बैठक में इनेलो नेता ने हाल ही में संपन्न हुए पार्टी के युवा सम्मेलन की अभूतपूर्व सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि युवाओं में बढ़ता उत्साह प्रदेश में आने वाले राजनीतिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। पार्टी युवाओं को रोजगार दिलाने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने के लिए ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है।पर्यावरण संरक्षण के नाम पर चल रहे भूमि विवाद पर चिंता जताते हुए अभय चौटाला ने कहा कि जिस प्रकार राजस्थान में सोलर प्रोजेक्ट्स के नाम पर किसानों की जमीनों को लेकर संकट पैदा हुआ है वैसी ही स्थिति हरियाणा में भी बनाई जा रही है। इनेलो सौर ऊर्जा के विरोध में नहीं है लेकिन किसानों की उपजाऊ भूमि को कॉर्पोरेट घरानों को सौंपने के किसी भी प्रयास का पुरजोर विरोध करेगी।किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए इनेलो नेताओं ने कहा कि प्रदेश का किसान इस समय रबी फसल के लिए डीएपी व यूरिया खाद की भारी किल्लत से जूझ रहा है। पिछली खराब फसलों का मुआवजा अब तक लंबित है तथा मंडियों में एमएसपी की गारंटी न होने से किसानों का आर्थिक शोषण हो रहा है।

पार्टी इन सभी मुद्दों को लेकर गांव-गांव और जिले-जिले में आंदोलन तेज करेगी।बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राम पाल माजरा, पूर्व मंत्री सम्पत सिंह, पूर्व मंत्री शेर सिंह बड़सामी, डबवाली विधायक आदित्य सिंह चौटाला, महिला

होंद चिल्लड़ में 42 वर्षों बाद भी इंसाफ नहीं: इंजीनियर मनविंदर सिंह

रेवाड़ी। होंद चिल्लड़ 1984 के नरसंहार की खामोश गवाह बनी होंद चिल्लड़ की धरती एक बार फिर इंसाफ की पुकार से गूंज उठी। 42 वर्ष पहले जहाँ मानवता को तार-तार कर दिया गया था, उसी धरती पर मंगलवार को शहीदों की स्मृति में श्री सुखमनी साहिब का पाठ और अरदास की गई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व होंद चिल्लड़ तालमेल कमेटी के प्रधान और पायल विधानसभा क्षेत्र से विधायक इंजीनियर मनविंदर सिंह गियासपुरा ने किया। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि 32 निर्दोष सिखों का नरसंहार आज भी भारतीय न्याय व्यवस्था पर एक काला धब्बा है, क्योंकि 42 वर्ष बीत जाने के बावजूद दोषियों को सजा नहीं मिली। गियासपुरा ने कहा कि यह वही होंद चिल्लड़ है जहाँ 2 वर्ष के मासूम बच्चे को दीवारों से पटक-पटक कर मार दिया गया, 70 वर्ष के बुजुर्गों को तेल डालकर ज़िंदा जला दिया गया और सैनिक इंद्रजीत सिंह को सेना की वर्दी में होने के बावजूद मौत के घाट उतार दिया गया। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ हत्याएँ नहीं थीं, बल्कि कांग्रेस सरकार की नाक के नीचे मानवता की हत्या थी। उन्होंने बताया कि नरसंहार के समय गाँव में विवाह समारोह चल रहा था – एक ओर शहनाइयाँ बज रही थीं, दूसरी ओर मासूमों की चीखें आसमान चीर रही थीं, लेकिन प्रशासन, पुलिस और सत्ता पूरी तरह गायब थी। कार्यक्रम के दौरान संगत को वे सभी स्थान दिखाए गए जहाँ दरिंदगी की सारी हदें पार की गई थीं – वह दीवार

जहाँ एक मासूम की जान ली गई और वह स्थान जहाँ बुजुर्गों को आग के हवाले किया गया। इस अवसर पर सुरजीत कौर, जिन्होंने नरसंहार के दौरान अपने 12 परिजनों को खो दिया था, भी उपस्थित रहीं। उन्होंने संगत को वह कुआँ दिखाया, जिसमें दरिंदों द्वारा 32 निर्दोष सिखों को जला कर फेंक दिया गया था। वह कुआँ आज भी इंसाफ की हत्या की मूक गवाही दे रहा है। इंजीनियर गियासपुरा ने बताया कि इस मामले में एस.पी. राम किशोर, डी.एस.पी. राम भग्ग, राम कुमार सहित अन्य के

गियासपुरा के नेतृत्व में श्री सुखमनी साहिब के पाठ से गूंजी शहीदों की धरती
कुआँ, दीवारें और आग आज भी गवाह — 42 वर्षों बाद भी मासूमों के हत्यारे आजाद

खिलाफ 2017 से याचिका माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में लंबित है, लेकिन अदालतों की ओर से केवल तारीखें ही मिल रही हैं। अब अगली तारीख 10 अप्रैल 2026 दी गई है, जो न्याय व्यवस्था की सुस्ती को दशार्ती है। इंसाफ न मिलने के विरोध में कार्यक्रम के दौरान भाजपा सरकार की चुप्पी के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से पुतले जलाए गए। संगत ने एक स्वर में सवाल उठाया क्या यही आजाद भारत है, जहाँ सैनिक भी सुरक्षित नहीं और मासूमों के हत्यारे आज भी आजाद घूम रहे हैं? होंद चिल्लड़ का यह कार्यक्रम सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि 42 वर्षों से दबाई गई चीख का ऐलान था – यह संदेश कि शहीदों का खून व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा और इंसाफ मिलने तक यह संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर सुरजीत कौर रेवाड़ी, गोपाल दास रेवाड़ी, गुरजंट सिंह करनाल, अविनाशप्रीत सिंह बैंस, बूटा सिंह राणो, कवलजीत सिंह बिट्ठ, मनजीत सिंह धामी, एस.डी.ओ. निर्मल सिंह, बी.के. सिंह, सुखविंदर सिंह नोना, मनजीत सिंह पी.ए., अमरदीप सिंह सरपंच कूहली खुर्द, हरदीप सिंह अजनौद, गुरजिंदर सिंह निक्का, दलविंदर सिंह झाबेवाल आदि उपस्थित थे।

अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में आज अफगानिस्तान पर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हरारे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम का बुधवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान से मुकाबला होगा। अब तक इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतने वाली भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम ने अब तक पांच बार 2000, 2008, 2012, 2018, 2022 में ये खिताब जीता है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत दर्ज कर छठे खिताब की ओर कदम बढ़ाना चाहेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले के मुकाबल में पाकिस्तान को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम ने अब तक अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में पाकिस्तान के खिलाफ मिली 58 रनों की जीत भी शामिल है। भारतीय टीम इसके बाद भी इस मैच को हल्के में नहीं लेगी। इसका कारा है कि अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एक ही मैच में श्रीलंका ने हराया था। उसके खिलाड़ियों ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों वैभव सूर्यवंशी और विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने अब तक इस टूर्नामेंट में जमकर रन बनाये हैं। ये दोनो ही ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे। कुंडू ने अब तक पांच मैचों में दो अर्धशतकों की मदद से 199 रन बनाए हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 196 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने पांच अर्धशतक लगाये हैं। ऑलराउंडर विहान मल्होत्रा ने अब तक ?(पांच मैचों में 172 रन बनाये हैं जिसमें ग्रुप चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया शतक 109 रन भी शामिल हैं।

कप्तान आयुष म्हात्रे और आरोन जॉर्ज को अत तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं और टीम को इनसे इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी की

उम्मीद रहेगी। आयुष ने पांच मैचों में केवल 99 रन बनाए हैं। सलामी बल्लेबाज आरोन ने तीन पारियों में केवल 46 रन बनाये हैं।

आयुष ने हालांकि गेंदबाज़ी में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में छह विकेट लिए हैं। टीम की गेंदबाजी की कमान तेज गेंदबाज हेनिल पटेल और आरएस अंबरीश के पास रहेगहै। इसके अलावा स्पिन की जिम्मेदारी खिलन पटेल के पास रहेगी। पटेन ने पांच मैचों में आठ विकेट लिए हैं। दूसरी ओर महबूब खान की कप्तानी में अफगान टीम भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत अंडर-19: आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, हरवंश पंगालिया, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, खिलन पटेल, दीपेश देवेंद्रन, हेनिल पटेल, मोहम्मद एनान, उधव मोहन, किशन सिंह।

अफगानिस्तान अंडर-19: महबूब खान (कप्तान), अजीजुल्लाह मियाखिल, फैसल शिनोजादा, खालिद अहमदजई, उस्मान सादात, उजैरुल्लाह नियाजई, अब्दुल अजीज, अकील खान, खातिर स्टानिकजई, नाजीफुल्लाह अमीरी, नूरिस्तानी उमरजई, रूहुल्लाह अरब, सलाम खान, वहीदुल्लाह जादरान, जैतुल्लाह शाहीन।

जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने अभ्यास मैच में अमेरिका को हराया

नवी मुम्बई (एजेंसी)। नारायण जगदीशन की आक्रामक बल्लेबाजी से भारत ए ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट के पहले ही अभ्यास मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को 38 रनों हरा दिया। इस मैच से बल्लेबाज तिलक वर्मा ने भी टीम में अच्छी वापसी की है। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए विकेटकीपर-बल्लेबाज जगदीशन ने केवल 55 मैचों में ही 104 रन बना दिये। अपनी इस पारी मे जगदीशन ने 11 चौके और 5 छक्के लगाये और अमेरिकी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस मैच में अमेरिकी कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत ए ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 238 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिकी टीम 19.4 ओवर में ही 200 रनों पर ही आउट हो गयी। उसकी ओर से इस मैच में अमेरिकी टीम की ओर से भारतीय मूल के बल्लेबाज संजय कृष्णमूर्ति ने 18 गेंदों में 41 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने नाबाद 60 रन 26 गेंद पर बनाए। तिलक वर्मा ने भी वापसी की और 38 रन बनाए। प्रियांश आर्या ने पारी की शुरुआत करते हुए तेजी से 13 गेंद पर 28 रन बनाये। भारतीय टीम की ओर से लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया। इस मैच में वापसी करते हुए तिलक ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक ने स्पिनरों हरमीत सिंह और नोस्तुश केनजीगे के खिलाफ दो जोरदार छक्के लगाये। तिलक ने इसके बाद गेंदबाजी करते हुए एक विकेट लिया और एक और कैच भी पकड़ा।

टी20 विशकवप में सलामी बल्लेबाज पर फैसला 7 फरवरी को होगा : सूर्यकुमार

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि टी20 विश्वकप में अभिषेक शर्मा के साथ भारतीय टीम की पारी की शुरुआत कौन करेगा। इसका फैसला सात फरवरी को अमेरिक के खिलाफ होने वाले पहले मैच में हो जाएगा। भारतीय टीम में इसके लिए संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे दावेदार है पर जिस प्रकार से सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में असफल रहे हैं। उससे तय है कि अभिषेक के साथ पारी शुरु करने की जिम्मेदारी ईशान को ही मिलेगी। सैमसन जहां सीरीज के पांच मैचों में केवल 46 रन बना पाये। वहीं ईशान ने एक शतक और अर्धशतक सहित करीब 250 रन बनाये थे। ऐसे में सैमसन का दावा काफी कमजोर हो गया है। वहीं सूर्यकुमार ने कहा कि पारी की शुरुआत कौन करेग। अभी इसपर अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि ईशान और सैमसन दोनों ही अंतिम ग्यारह के दावेदार हैं। टीम प्रबंधन सभी पक्षों पर ध्यान देने के बाद अंतिम फैसला करेगा।

कप्तान ने का कि बल्लेबाज तिलक वर्मा भी फिट हो गये हैं और वह मध्यक्रम में अपनी जगह पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा कि तिलक अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। ऐसे में दल के सभी 15 खिलाड़ी अंतिम एकादश में जगह पाने के दावेदार हैं, जिससे चयन और भी कठिन हो गया है। सूर्यकुमार ने टीम अपनी आक्रमक रणनीति पर चलेगी। इसलिए शीर्ष क्रम को आक्रामक होकर ही खेलना होगा। उन्होंने संकेत दिए कि टीम को नंबर 7 या 8 तक एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज की जरूरत हो सकती है। साथ ही कहा कि गेंदबाजी की जिम्मेदारी, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल पर रहेगी।

वहीं हार्दिक पांड्या के अलावा शिवम दुबे और अभिषेक शर्मा को भी गेंदबाजी दी जा सकती हैं। ऐसे में टीम सात बल्लेबाज और ऑलराउंडर्स के साथ एक मजबूत संयोजन बनाएगी। कप्तान ने कहा कि घरेलू हालातों में खेलने पर दबाव आता है पर खेल में ये चलता रहता है। उनका प्रयास टीम की खिताब बरकरार रखने में सहायता करना रहेगा। उन्होंने कहा कि अभिषेक , ईशान अपनी स्वाभाविक शैली में खेलते हैं और उन्होंने सभी को उसी अनुसार खेलने को कहा है।

कमिंस टी20 विश्वकप से बाहर हुए, ड्वार्शियस शामिल

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गये हैं। कमिंस ने पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण विश्वकप कप से नाम वापस ले लिया है। कमिंस ने कहा कि उनका लक्ष्य आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होना है ताकि वह सभी मैच खेल सकें। इसलिए उन्होंने तय किया कि विश्वकप से बाहर रहना ही ठीक है। कमिंस के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। कमिंस ने कहा, मैं पहले से काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैं कुछ सप्ताह तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।

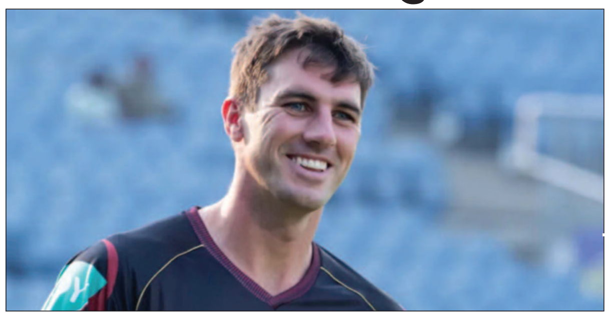

उन्होंने कहा, एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था पर अभी किये एक स्कैन में चिकित्सकों ने पाया कि मुझे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, तब उसे बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और एकदिवसीय के लिए टीम दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। टीम इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा। इसके बाद वह अगले साल मार्च में मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने पर गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज, एकदिवसीय विश्व कप और जून में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल होगा। कमिंस ने कहा, हमने सोचा कि आगामी सत्र में क्रिकेट मैचों की संख्या को देखते हुए साल के पहले छह महीने में संयम बरतना काफी अच्छा रहेगा। चोट ठीक हो जाएगी और इसको लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। अगर मैं अभी इसको लेकर सतर्कता नहीं बरतता तो समस्या बढ़ सकती थी। कमिंस को उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

वेस्टइंडीज को विश्वकप में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी : कोच सैमी

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के मुख्य कोच डैरेन सैमी अपनी टीम के प्रदर्शन से निराश हैं। सैमी के अनुसार उनकी टीम को अगर टी20 विश्वकप जीतना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। सैमी के अनुसार उनकी टीम को हाल में दक्षिया अफ्रीका के खिलाफ हुई सीरीज के अलावा अफगानिस्तान से भी हार का सामना करना पड़ा था। इससे साफ है कि खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उन्हें काफी सुधार करने होंगे। उसके गेंदबाजों को विरोधी टीम के खिलाफ तीन मैचों में केवल 10 विकेट ही मिल पाये थे। पहले दो मैचों में ही टीम ने 401 से अधिक रन दे दिये थे। ऐसे में कोच का कहना है कि सब कुछ गेंदबाजों पर निर्भर करेगा। उनका प्रदर्शन से ही तय होगा कि टीम कहां तक पहुंचेगी। कोच कहा, उम्मीद है, हम ऐसा क्रिकेट खेल पाएंगे, जिससे हमें जीतने में सहायता मिले। जैसा कि मैंने पहले कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे पता है कि गेंदबाजी में बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नई योजना के साथ उतरेंगे। सैमी साल 2012 और 2016 में वेस्टइंडीज की टीम ने विश्व कप जीता था, तो उस समय सैमी भी टीम में शामिल थे। उनका मानना है कि इस बार के विश्व कप के लिए बल्लेबाजी ईकाई अच्छी है पर गेंदबाजी में परेशानी हैं। सैमी ने कहा, मैं बल्लेबाजी के तरीके से खुश हूं। मैं चाहूंगा कि स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी करें। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हमार स्पिनर बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे।।

आईसीसी पाकिस्तान बोर्ड पर प्रतिबंध लगाये : गावस्कर

मुम्बई । भारतय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत के खिलाफ मैच खेलने से इंकार किया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उसके खिलाफ प्रतिबंध लगाना चाहिये। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि टीम टी20 विश्व कप खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच में नहीं उतरेगी। उसने पाक बोर्ड (पीसीबी) से इस मैच का बहिष्कार करनके को कहा है। पाक के इस फैसले की कड़ी आलोचना हो रही है यहां तक कि उसके खिलाड़ी भी इससे सहमत नहीं हैं। गावस्कर भी इससे बेहद नाराज हैं। उन्होंने आईसीसी से अपील की है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने के लिए पीसीबी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाये। भारत-पाक का मुकाबला 15 फरवरी को श्रीलंका के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। इसके लिए पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल के तहत ही कोलंबो में खेलने का अवसर मिला पर अपनी अड़ियल रवैये और बांग्लादेश का साथ देने की जिद को लेकर पाक सरकार ने मैच खेलने से इंकार किया है। गावस्कर का मानना है कि आईसीसी को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिये। जिससे अन्य टीम के सामने मिसाल पेश की जा सके।

रायडू को भारतीय टीम के टी20 विश्वकप जीतने की उम्मीद

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भारतीय टी20 टीम की जमकर सराहना करते हुए कहा कि इस बार भी वह खिताब जीत सकती है। भारतीय टीम ने पिछल बार वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए विश्वकप को जीता था। जिससे वह इस बार भी बरकरार रखना चाहेगी। रायडू के अुनसार जिस प्रकार से भारतीय टीम अच्छे फार्म में है। उससे वह अपना विश्वकप खिताब बरकरार रखने में सक्षम नजर आती है। भारतयी टीम ने जिस प्रकार से न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की सीरीज में खेला है उससे रायडू बेहद प्रभावित हैं। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज 4-1 से जीती है। रायडू ने कहा कि टीम का आत्मविश्वास, रुख और निडर क्रिकेट यह दिखाता है कि भारत आने वाले बड़े टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह तैयार है। रायडू ने कहा कि इस भारतीय टीम की सोच बाकी टीमों से अलग है। उनके अनुसार, खिलाड़ी बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं और यही निडरता उन्हें आक्रामक बनाती है। इसलिए भारतीय टीम के पास वह सब है जो विश्वकप जीतने के लिए चाहिये। ऐसे में अगर टीम सही दिशा में रहीं, तो 2026 में भी भारतीय टीम ट्रॉफी जीत सकती है। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) से खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया नई दिल्ली में नामीबिया, कोलंबो में पाकिस्तान और अहमदाबाद में नीदरलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच खेलेगी।

भारत-पाक मैच नहीं होने से दोनो ही बोर्ड को 200-200 करोड़ का नुकसान होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने सात फरवरी से शुरु होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला किया है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की मुश्किलें भी बढ़ गयी हैं क्योंकि भारत-पाक मैच के रोमांच के कारण सबसे अधिक राजस्व इसी मैच से मिलता है। एक रिपोर्ट के अुनसार इस मैच से तकरीबन 500 मिलियन डॉलर (लगभग 4,500 करोड़ रुपये) की आय होने की संभावना थी। इसमें प्रसारण अधिकार, विज्ञापन, प्रायोजन राशि, टिकट बिक्री आदि से होने वाली आया शामिल है। दुनिया में किसी भी दूसरे क्रिकेट मैच से इतनी अधि कमाई नहीं होती है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने पर में भारत और पाकिस्तान दोनों ही बोर्ड को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान होने की संभावना है। सकता है.

इसमें टीवी और डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग से होने वाली आय भी शामिल है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान टी20 मैच के लिए

विज्ञापन दरें विश्व क्रिकेट में सबसे ज्यादा होती हैं। ये 10 सेकंड के स्लॉट के लिए 25 से 40 लाख रुपये के बीच रहती हैं। इस मैच से केवल विज्ञापन से ही करीब 300 करोड़ रुपये की आय हो जाती है। वहीं अन्य विश्वकप मैचों की कीमत करीब 138 करोड़ रुपये होती है। इस प्रकार देखा जाये तो , भारत-पाकिस्तान मैच से होने वाली आय दोगुनी से अधिक है।

ऐसे में इस मैच के नहीं होने से प्रसारणकर्ताओं को विज्ञापन के अलावा अन्य स्त्रोतों से भी कम कमाई ह्रोगी क्योंकि विश्वकप कप देखने वाले प्रशंसकों की संख्या भी घटेगी। इससे टूर्नामेंट के अन्य मैचों की कमाई भी घटना तय है। इस प्रकार प्रसारकों को करीब 370 से 400 करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है। ऐसे में आईसीसी के राजस्व में भी कमी आयेगी। इससे उसके सदस्य बोर्डों को मिलने वाली रकम भी कम हो जाएगी। ऐसे में भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़े क्रिकेट बोर्ड पर भले ही अधिका प्रभाव न पड़े पर आईसीसी पर आधारित छोटे बोर्डों की मुश्कलें बढ़ जाएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार मैच रद्द होने की स्थिति में भारत और पाकिस्तान दोनों को करीब 200-200 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई इससे झेल लेगा पर पाक बोर्ड का दिवाला निकलना तय नजर आता है।

पीसीबी को आईसीसी की कुल कमाई का करीब 5.75फीसदी हिस्सा मिलता है, जो सालाना लगभग 34.5 मिलियन डॉलर होता। अब पीसीबी के स्वयं हटने से उसे बीमा सुरक्षा नहीं मिली है जिससे पीसीबी पर कानूनी कार्रवाई होने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जा सकता है। आईसीसी प्रसारणकर्ताओं के नुकसान की भरपाई के लिए पीसीबी को दी जाने वाली राशि में बड़ कटौती कर सकती है।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन को भारतीय अंपायर ने सही बताया

मुम्बई (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक के गेंदबाजी एक्शन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में सवाल उठे हैं। तारिक के एक्शन को ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरोन ग्रीन ने गलत बताया है। वहीं भारतीय अंपायर अनिल चौधरी ने कहा है कि आईसीसी के नियमों के अनुसार तारिक का ऐक्शन ठीक है। उन्होंने कहा, अभी तारिक के ऐक्शन को लेकर एक वीडियो मेरे पास आया है, । इसमें उनका जो ऐक्शन है थोड़ा साइड वाला है और थोड़ा अलग है वह थोड़ा रुककर गेंद डालते हैं, क्योंकि वो सारी गेंद एक ही तरह से डालते हैं और उनका जो आर्म है, उसमें बेंडिंग और स्ट्रेटनिंग नहीं है जो आईसीसी नियमों के अनुसार ठीक है। ऐसे में मेरे हिसाब से उनका ऐक्शन सही है। इस स्पिनर ने गत तीन महीने में केवल 3 ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच ही खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि वे तीन सीरीजों में 3 मैच ही खेल पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लाहौर में दूसरे टी20 मैच में उन्होंने 2.4 ओवर गेंदबाजी की। जिसमें 16 रन दिए और 2 विकेट हासिल किए। 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के करियर में उन्होंने 8 विकेट लिए हैं। इस गेंदबाज का पाक टीम एक रहस्यमयी स्पिनर के तौर पर कभी-कभी ही उपयोग करती है।

भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि ! अगले साल भारत में होगी एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजी प्रेमियों के लिए एक उत्साहजनक खबर है। भारत अगले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह टूर्नामेंट न केवल एशियाई देशों के शीर्ष निशानेबाजों को एक मंच प्रदान करेगा, बल्कि इसमें खिलाड़ियों के पास सीधे ओलंपिक कोटा हासिल करने का सुनहरा अवसर भी होगा। भारत को यह मेजबानी मिलना देश की विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण है।

यह भारतीय निशानेबाजी के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी क्योंकि वह पहले ही एक अन्य ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी हासिल कर चुका है। एशियाई प्रतियोगिता में ओलंपिक के लिए आठ स्थान अगले वर्ष 21 से 30 अप्रैल तक दिल्ली में होने वाले विश्व कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में उपलब्ध 12 कोटा स्थानों के अतिरिक्त होंगे। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव को लिखे पत्र में इसकी पुष्टि की।

एनआरएआई ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली में होगा और इसकी तिथियों को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) ने पत्र में कहा, ''हम भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ को एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप 2027 की मेजबानी हासिल करने पर बधाई देते हैं, जहां लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान वितरित किए जाएंगे।'' पीटीआई के पास मौजूद पत्र में कहा गया है, ''हमें पूरा विश्वास है कि आपके (एनआरएआई) नेतृत्व में चैंपियनशिप का आयोजन उच्चतम मानकों के अनुरूप होगा और यह एक सफल प्रतियोगिता साबित होगी।''

देव को उम्मीद है कि इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय निशानेबाज ओलंपिक में अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे खिलाड़ियों को दो ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलेगा जो उन्हें अपनी धरती पर खेलने हैं और जिनमें वे अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल कर सकते हैं। मैं एएससी के महासचिव इंजीनियर अल ओतैबी और उनकी टीम का विश्वस्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने की भारत की क्षमता पर विश्वास बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।''

एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने पीटीआई से कहा, ''यह ऐतिहासिक अवसर होगा जबकि भारत दो ओलंपिक कोटा प्रतियोगिताओं की मेजबानी करेगा और हमें इस पर बहुत गर्व है। हम नयी दिल्ली में करणी सिंह रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन (21-30 अप्रैल) और राइफल एवं पिस्टल में एशियाई चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''एशियाई चैंपियनशिप की तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने प्रमुख प्रतियोगिताओं की सफल मेजबानी करने की हमारी क्षमताओं पर भरोसा दिखाया है। इससे निशानेबाजी में भारत के बढ़ते प्रभाव और आईएसएसएफ का हम पर भरोसे का पता चलता है।''

सिंह ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत इन दोनों प्रतियोगिताओं का पूरा फायदा उठाकर अधिक से अधिक कोटा स्थान हासिल करेगा। आईएसएसएफ ने पेरिस ओलंपिक खेलों के चक्र के दौरान विश्व कप में ओलंपिक क्वालीफिकेशन कोटा नहीं देने का फैसला किया था, लेकिन लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के चक्र के लिए कोटा स्थान देने का फैसला किया है।

सिंह ने कहा, ''उम्मीद है कि भारतीय निशानेबाज इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। हमारा लक्ष्य देश के लिए आवंटित सभी 24 स्थानों का कोटा हासिल करना है जो पेरिस ओलंपिक के लिए हासिल किए गए 22 कोटा स्थान से अधिक है।'' दिल्ली में बुधवार से इस वर्ष की एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल) का आयोजन किया जाएगा। इसमें जूनियर और सीनियर वर्ग में 20 देशों के 300 से अधिक निशानेबाज भाग लेंगे।

आईसीसी क्रिकेट की भलाई के लिए निष्पक्ष रहते हुए फैसला ले : अफरीदी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होने पर नाराजगी जतायी है। अफरीदी ने साथ ही कहा कि अब आईसीसी को इस मामले में निष्पक्ष रहते हुए कोई फैसला लेना चाहिये। अफरीदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब राजनीति संवाद के दरवाजे बंद कर देती है तो क्रिकेट दरवाजे खोल सकता है। यह दुखद है कि इस बार पाक टीम विश्वकप में भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी। साथ ही कहा कि वह अपनी सरकार के भारत के खिलाफ मैच से बाहर रहने के फैसले का समर्थन करते हैं। दोनो ही टीमों के बीच ये मैच 15 फरवीर को कोलंबो में होना था। अफरीदी के अलावा मोहम्मद यूसुफ और राशिद लतीफ, मोइन खान और सरफराज अहमद जैसे पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भी सरकार के भारतीय टीम का बहिष्कार करने के फैसले का समर्थन किया है। लतीफ ने कहा, आईसीसी ने जिस तरह बांग्लादेश के साथ व्यवहार किया या हाल के वर्षों में जिस तरह वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सामने झुकी है, ऐसे में किसी न किसी को कठोर रूख अपनाने की जरुरत थी।। मोइन ने कहा, अब आईसीसी को देखना होगा कि वह विश्व क्रिकेट के व्यापक हित में किस तरह से आगे बढ़ना चाहता है। सरफराज ने कहा कि वह पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति न मिलने के कारणों को समझ सकते हैं। वहीं पाक टीम के कप्तान सलमान अली ने कहा कि उनकी टीम विश्वकप में हार मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से श्रीलंका जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे तीन अन्य ग्रुप मैच हैं और हम सभी जीतकर अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे। पाकिस्तान टीम अपने अभियान की शुरुआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

प्रभास ने की राशा थडानी की तारीफ

अभिनेत्री राशा थडानी ने फिल्म लईकी लईका के गाने छाप तिलक से गायन की शुरुआत की है। फिल्म द राजा साब के स्टार प्रभास ने राशा के गायन प्रतिभा की खूब सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर उन्हें बधाई दी है।

प्रभास ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में राशा थडानी का गाना छाप तिलक शेयर किया और लिखा, वाह, शानदार शुरुआत राशा थडानी। तुम्हारा प्रदर्शन सच्चा, भावपूर्ण और दिल से निकला हुआ है। बधाई हो। राशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रभास का आभार जताते हुए लिखा, प्रभास सर, मैं हमेशा आभारी रहूंगी।

फिल्म लईकी लईका एक आने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें राशा मुख्य भूमिका में हैं और उनके साथ अभय वर्मा हैं। फिल्म की पहली झलक में स्ट्रीट स्टाइल और आधुनिक ग्रैफिटी का मिश्रण दिखता है। पहले पोस्टर में अभय और राशा एक संकरी, धुंधली गली में एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। अभय ने गहरे रंग की टेक्सचर्ड जैकेट पहनी है, जो फटी हुई है। राशा ने हल्के रंग की पारंपरिक कुर्ती पहनी है, जिस पर खून के छींटे लगे हुए हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का लेखन और निर्देशन सौरभ गुप्ता ने किया है। सह-निर्माता भावना दत्ता तलवार और राघव गुप्ता हैं। राशा और अभय की फिल्म लईकी लईका 2026 की गर्मियों में रिलीज हो सकती है।

मेधा राणा ने बताया कैसा रहा बॉर्डर-2 की शूटिंग का अनुभव

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म बॉर्डर-2 बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म में लीड रोल्स की चर्चा हर कोई कर रहा है, लेकिन फिल्म में मेधा राणा ने भी महत्वपूर्ण रोल प्ले किया है। मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का रोल प्ले किया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अभिनेत्री खुद एक आर्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं और वे उस डर और इमोशंस को जी चुकी हैं, जिन्हें फिल्म में दिखाया गया है। बॉर्डर-2 जैसी फिल्म में सेलेक्ट होने के अनुभव पर मेधा राणा ने आईएएनएस से कहा, जब मुझे पहली बार कॉल आया तो मैं खुशी से रो पड़ी थी। फिल्म के लिए मैंने कई राउंड ऑडिशन दिए थे और कास्टिंग डायरेक्टर छाबड़ा सर ने मुझे बुलाकर सामने से बताया था कि मैं सेलेक्ट हो चुकी हूं। वो पल मेरे लिए सबसे प्यारा था और खुशी के मारे मैं बहुत रोई थी। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतनी बड़ी फिल्म में मुझे काम करने का मौका मिलेगा। अब काम करने के बाद खुद पर धीरे-धीरे यकीन कर पा रही हूं।

फिल्म में मेधा ने मेजर होशियार सिंह दहिया की पत्नी धनवंती देवी का किरदार निभाया है। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ये किरदार इमोशनली बहुत स्ट्रांग था क्योंकि ये उन पत्नियों की हिम्मत को दिखाता है, जिन्होंने देश के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। जब मुझे पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए दी गई तो मैं समझ गई कि किरदार बहुत सारी जिम्मेदारी और इमोशंस के साथ आता है। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरे परिवार की तीन पीढ़ियों ने आर्मी में सेवा दी है और मेरे पापा आज भी सेवाएं दे रहे हैं और यही कारण है कि इस फिल्म को पूरी जिम्मेदारी से निभाना मेरा फर्ज था। हमने भी उन इमोशंस को जिया है, जो फिल्म में पर्दे पर दिखाए गए हैं।

बॉर्डर-2 में बॉर्डर से अलग क्या देखने को मिलेगा के सवाल पर मेधा ने बताया कि हर फिल्म का किरदार अलग है और इमोशन और हिम्मत से भरा है। फिल्म में प्यार, इमोशन, फैमिली, और हिम्मत को दिखाया गया है क्योंकि नहीं पता कि वापस कब लौट पाएंगे। चारों किरदार अलग हैं, लेकिन चारों कहानी ही पूरी फिल्म को बनाती हैं।

फिल्म को लेकर खुद को तैयार करने के सवाल पर मेधा ने बताया कि जो मेरा किरदार है, वो मेरी नानी पहले जी चुकी हैं, क्योंकि 1971 के समय मेरी मां का जन्म हुआ था और नाना की पोस्टिंग बांग्लादेश में थी। मेरी नानी ने मुझे बहुत सारी कहानियां और टिप्स भी दीं, जिससे मुझे फिल्म के किरदार को निभाने में बहुत मदद मिली। वरुण धवन के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर मेधा ने कहा, उनके साथ काम करके बहुत मजा आया और शूटिंग के समय काफी कुछ सीखने को मिला। सेट पर पहला दिन काफी नर्वसनेस के साथ बीता था, लेकिन वरुण ने काफी मदद की।

ऋषभ शेट्टी ने कांतारा चैप्टर 1 के निर्देशन को लेकर लिखी खास बात

ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा चैप्टर 1 पिछले साल 2 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

वहीं ऋषभ ने कांतारा चैप्टर 1 की कई बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट भी लिखा है। ऋषभ शेट्टी ने इंस्टाग्राम हैंडल पर कांतारा चैप्टर 1 की सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में वह आस-पास के लोगों को सीन समझाते नजर आ रहे हैं।

इस पोस्ट के साथ ऋषभ ने कैप्शन में लिखा, अपने किरदारों को जीवंत बनाना निर्देशन का सबसे अच्छा हिस्सा है। इसके साथ ही ऋषभ ने आगे लिखा, एक नया कर्ज लेना ठीक है। फैंस ने कमेंट कर लिखा है कि ऋषभ को ऑस्कर मिलना चाहिए। वहीं कई फैंस ने उनकी अगली फिल्म की रिलीज को लेकर सवाल किए हैं।

पारुल गुलाटी ने फिल्म 'तू या मैं' में अपनी भूमिका को लेकर की बात

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। अब फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री पारुल गुलाटी ने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बात की।

तू या मैं में पारुल गुलाटी शनाया कपूर की करीबी दोस्त और मैनेजर लैरा का किरदार निभा रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा कि मैं सचमुच बहुत खुश हूं और ईमानदारी से कहूं तो अभी भी इस किरदार को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रही हूं। लैरा शनाया की दोस्त और मैनेजर है, जो मजबूती से उसका साथ देती है। उससे सवाल करती है, उसका समर्थन करती है और बहुत ही वास्तविक है। मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि वह सिर्फ एक सहायक किरदार नहीं है। वह कहानी में एक महत्वपूर्ण भावनात्मक कड़ी है और इतने यादगार संवाद का हिस्सा बनना पहले से ही अविश्वसनीय लग रहा है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि एक अभिनेत्री और एक निर्माता के तौर पर यह मेरे लिए अब तक का सबसे बेहतरीन कोलैबरेशन है। आनंद एल राय की दुनिया इतनी नाटकीय, बहुआयामी और भावनात्मक रूप से समृद्ध है, यह उस तरह का सिनेमा है जिसकी मैं हमेशा से प्रशंसक रही हूं और जिसका हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे यकीन नहीं हो रहा क्योंकि यह एक बड़े पर्दे की भव्य और दिल को छू लेने वाली फिल्म का हिस्सा बनने का एक दुर्लभ, जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर जैसा लगता है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित तू या मैं का निर्माण आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा ने मिलकर किया है। फिल्म में आदर्श गौरव और शनाया कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 13 फरवरी को वेलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी।

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

मर्दानी से थप्पड़ तक - बदली हीरोइन की परिभाषा बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। बॉलीवुड ने महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी – रानी मुखर्जी की मर्दानी फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म मर्दानी में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

थप्पड़ – अनुभव सिन्हा की फिल्म थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

हिचकी – 2018 में रिलीज हुई फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी – 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी – फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं।

द केरल स्टोरी– निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म द केरल स्टोरी 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।